A Daily News Magazine
इंदौर
बुधवार, 18 सितम्बर , 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 323, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रु. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

प्रसंगवश

सिद्धारमैया ने राजकोषीय संघवाद पर चर्चा के लिए आठ सीएम को क्यों बुलाया?

शरण पूवन्ना

विश्लेषकों का कहना है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा उच्च राजस्व वाले राज्यों के अपने समकक्षों को केंद्र द्वारा करों के अनुचित हस्तांतरण के संबंध में बेंगलुरु में एक सम्मेलन के लिए आमंत्रित करने का कदम, खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक प्रमुख राज्य प्रमुख के रूप में पेश करने की एक बड़ी चाल का हिस्सा है।

वे यह भी दावा करते हैं कि इस कदम से कर्नाटक के भीतर सिद्धारमैया की स्थिति को मजबूत करने और उन्हें किसी भी आंतरिक खतरे से बचाने में मदद मिलने की उम्मीद है। सिद्धारमैया ने पंजाब, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा और केरल के अपने समकक्षों को एक सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है, जिसमें वित्त आयोग को दिशा बदलने और विकास तथा बेहतर कर संग्रहण के लिए इन्सेंटिव बनाने की आवश्यकता होने पर राजकोषीय संघवाद के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा , जैसा कि सीएम ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।

कर्नाटक के सीएम का मोदी सरकार के खिलाफ तर्क यह रहा है कि 'परफॉर्मेंस' और 'प्रोग्रेस' को दंडित किया जा रहा है और उच्च जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) वाले राज्यों से एकत्र धन को राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे अधिक आबादी वाले राज्यों को दिया जा रहा है। सीएम ने कहा, कर्नाटक और अन्य जैसे उच्च जीएसडीपी प्रति व्यक्ति वाले राज्यों को उनके आर्थिक प्रदर्शन के लिए दंडित किया जा रहा है, उन्हें अनुपातहीन तरीके से कम कर प्राप्त हो रहा है।

भोपाल स्थित जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय के चुनाव विश्लेषक और कुलपति संदीप शास्त्री ने बताया कि सिद्धारमैया ने उच्च राजस्व उत्पन्न करने वाले और राजस्व योगदान देने वाले राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने आर्थिक रूप से पिछड़ें राज्यों को धन के पुनर्वितरण की आवश्यकता पर कोई समझौता नहीं किया। सिद्धारमैया राजस्व में राज्यों के हिस्से के सवाल को उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

कर्नाटक में सिद्धारमैया की कांग्रेस पार्टी के सदस्य भी मानते हैं कि यह तर्क अर्थशास्त्र से परे है क्योंकि यह सिर्फ़ 'राजकोषीय संघवाद' से ज़्यादा ÷राजनीतिक संघवाद÷ से भी जुड़ा है। गुरुवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में पांच राज्यों के वित्त मंत्रियों के सम्मेलन में कर्नाटक के राजस्व मंत्री और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद में राज्य के प्रतिनिधि कृष्ण बायरे गौड़ा ने कहा कि राजनीतिक संघवाद पर चर्चा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अगर आगामी जनगणना के अनुसार परिसीमन होता है, तो यह बहुत संभव है कि हम सभी संसद में अपना प्रतिनिधित्व खो देंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 16वें वित्त आयोग में उचित हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एकजुट मोर्चे की आवश्यकता पर प्रकाश डालना था।

सिद्धारमैया दो बार कर्नाटक के सीएम रह चुके हैं (2013 से 2018 और 2023-वर्तमान) और दोनों कार्यकालों में, 77 वर्षीय सिद्धारमैया ने 2023 के विधानसभा चुनावों के साथ-साथ लोकसभा चुनावों में अपने चुनावी रथ को पटरी से उतारने के लिए मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा द्वारा कर्नाटक की आबादी के साथ किए गए 'अन्याय' पर जोर दिया है।

मुख्यमंत्री के कॉन्फ्रेंस कॉल पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के आईटी प्रमुख अमित एफ. मालवीय ने गुरुवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा- करों के कर्नाटक में हस्तांतरण पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का गुस्सा गुमराह करने वाला है। वे 'मुफ्त चीजों' पर बिना सोचे-समझे पैसे खर्च करने के बाद, धन की कमी के लिए अपनी सरकार को छोड़कर बाकी सभी को दोषी ठहराने की व्यर्थ कोशिश कर रहे हैं।

सिद्धारमैया कर्नाटक के पहले मुख्यमंत्री नहीं हैं जिन्होंने दक्षिणी राज्य के मामलों को लेकर केंद्र से लड़ाई लड़ी है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े ने 1980 के दशक की शुरुआत में 'केंद्र-राज्य संबंधों' पर कई सम्मेलन आयोजित किए थे, जिसमें मुख्य रूप से गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों को तत्कालीन इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ एकजुट किया गया था। इसके बाद ये सभी सम्मेलन 1983 में केंद्र-राज्य संबंधों पर सरकारिया आयोग की स्थापना के आधार बन गए।

सिद्धारमैया हिंदी थोपे जाने और हिंदी दिवस मनाने का विरोध करने, 'तीन-भाषा नीति' का विरोध करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की जगह राज्य शिक्षा नीति लाने, कर्नाटक की डेयरी सहकारी संस्था नंदिनी को गुजरात स्थित अमूल के साथ विलय करने के प्रयासों की निंदा करने और मोदी सरकार पर कर्नाटक की पहचान मिटाने का प्रयास करने का आरोप लगाने में भी सबसे आगे रहे हैं।

कर्नाटक भारत की सबसे तेजी से बढ़ती और सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। शास्त्री के अनुसार, भारत के विकास का श्रेय, जो पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है, केंद्र के साथ-साथ राज्यों को भी जाता है। लेकिन इसका बहुत कुछ श्रेय 2014 में मोदी के केंद्र में आने के बाद ÷भारत के उत्थान÷ को जाता है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि कर्नाटक, विशेष रूप से बेंगलुरु, देश के सॉफ्टवेयर निर्यात का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है, लेकिन यह पैसा केंद्र के खाते में जाता है। जीएसटी के बाद के दौर में, राज्यों के पास उत्पाद शुल्क, स्टांप और रजिस्ट्रेशन, पेट्रोल-डीज़ल पर सेस, परिवहन और कुछ अन्य जैसे राजस्व के कुछ स्रोत बचे हैं। हालांकि कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात जैसे राज्य अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन उनमें से कुछ इस बात की शिकायत करते हैं कि उन्हें क्या वापस मिलता है। अपने 2024 के बजट भाषण में सिद्धारमैया ने कहा कि जीएसटी के ÷अवैज्ञानिक कार्यान्वयन÷ के कारण कर्नाटक को 59 हजार करोड़ रुपये से अधिक का और 15वें वित्त आयोग के तहत नई गणना के कारण केंद्रीय करों के हस्तांतरण के तहत 62 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। 15वें वित्त आयोग के अनुसार, केंद्रीय करों में कर्नाटक का हिस्सा लगभग 4.7 प्रतिशत से घटकर लगभग 3.6 प्रतिशत हो गया है। हालांकि, भाजपा के मालवीय ने कहा कि यह कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार थी जिसने इस कटौती का सुझाव दिया था। इस बात की भी स्पष्ट आशंका है कि प्रवासियों की बढ़ती संख्या कन्नड़ लोगों से और अधिक नौकरियां छीनती रहेगी, जिसके कारण 'स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण' विधेयक पर विचार किया जा रहा है। लेकिन उद्योगों और इसके अगुवा लोगों के आक्रोश के कारण सिद्धारमैया सरकार को इसे वापस लेना पड़ा। सिद्धारमैया के अनुसार, कर्नाटक को केंद्र के खजाने में योगदान देने वाले प्रत्येक रुपये के लिए केवल 15 पैसे वापस मिलते हैं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

इतनी दीवारें नहीं थीं
कुछ साल पहले
घास के टीले थे,
नेवले थे, खरगोश थे
निडर इधर- उधर भागते हुए
आसमान था बिलकुल पास,
गलबहियां करता हुआ धरती से
मेरे पांवों के निशान यहीं कहीं
दबे होंगे किसी दीवार की नींव में
अब यहां नहीं सुनायी पड़ती
सांझ की पीली आवाज
पेड़ों की पत्तियों पर
नहीं झरती दूसरे गोलार्ध की ओर
सरकते सूरज की रोशनी
रात कब आ जाती है,
पता ही नहीं
चलता
जब से यहां बसने आया आदमी
जाने कहां चली गयीं तितलियां,
कहां गुम हो गये खरगोश,
नेवले, सांप

सुभाष राय

पीएम मोदी के जन्म-दिवस पर प्रदेश में आरंभ हुआ 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा

स्वच्छता की पहली पाठशाला, हमारा घरः राज्यपाल

पीएम मोदी के जन्मदिन पर

मप्र के 50 हजार परिवारों का पीएम आवास में गृह प्रवेश- मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास शहरी एवं ग्रामीण के 50 हजार हितग्राहियों को 17 सितंबर को राज्य सरकार द्वारा गृह प्रवेश कराया गया। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत प्रदेश में 10 लाख नए घर बनाए जाएंगे। भारत सरकार की स्वीकृति के बाद प्रदेश सरकार ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर मंगलवार को राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 50 हजार हितग्राहियों को पीएम आवास में गृह प्रवेश कराया।

प्रधानमंत्री के लिए जनता को सुविधाएं देना ही जन्म-दिवस की है सबसे बड़ी भेंट : मुख्यमंत्री

- स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में स्टार रैंकिंग वाले नगरीय निकायों को दी प्रोत्साहन राशि
- नगरीय निकायों को जितने स्टार रैंकिंग में मिलेंगे, उसमें कार्यरत सभी सफाई मित्रों को मिलेंगे उतने हजार रूपये
- राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वच्छता मित्रों का सम्मान
- 50 जिला चिकित्सालयों में पी.एम. जन औषधि केन्द्रों का हुआ शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि स्वच्छता की शुरूआत हमारे घर से होती है। स्वच्छता की पहली पाठशाला हमारा घर ही होता है।

इसलिए बच्चों को स्वच्छता के संस्कार देने की शुरूआत अपने घर से ही करना होगा। हम सबको महात्मा गांधी जी से सीख लेते हुए स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल के मुख्य आतिथ्य तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2024 और प्रदेश जिला चिकित्सालयों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश को स्वच्छता के क्षेत्र में प्राप्त पुरस्कारों पर केंद्रित प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान जन-गण-मन की धुन प्रस्तुत की गई।

सफाई मित्र हुए सम्मानित

राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सफाई मित्रों को सम्मानित भी किया। इसमें भोपाल नगर निगम के सफाई मित्र सर्वश्री आकाश वाल्मिकी, जीवन लाल, धर्म सिंह, राजेश दामले और सुश्री रश्मि को तथा ग्रामीण क्षेत्र की श्रीमती दीप माला, श्रीमती प्रीति और सर्वश्री निखलेश, अमित कुमार व धर्मेन्द्र वाल्मिकी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल तथा नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी संबोधित किया। प्रमुख सचिव श्री नीरज मंडलोई ने समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की।

प्रदेश के 50 चिकित्सालयों में आरंभ हो रहे प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि जन-जन के जीवन को आसान बनाने के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराना ही प्रधानमंत्री श्री मोदी को दी जाने वाली सबसे बड़ी और यादगार भेंट है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म-दिवस पर प्रदेश के सभी 50 चिकित्सालयों में आरंभ हो रहे प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रहा है गृह प्रवेश, प्रदेश के आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार लाएगा। सफाई मित्रों के कल्याण के लिए भी राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रखी है एक नए सशक्त और समृद्ध भारत की नींवः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन्म-दिवस पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्म-दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पर मीडिया से चर्चा में कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को नेतृत्व प्रदान करने के साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व के महनीय नेता के रूप में स्थापित हुए हैं। उनकी दूरगामी नीतियों के परिणाम स्वरुप भारत विश्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एक नए सशक्त और समृद्ध भारत की नींव रखी है।

श्रीकृष्ण-जन्मभूमि विवाद

सुप्रीम कोर्ट से मुस्लिम पक्ष को नहीं मिला स्टे

- कहा-हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनने योग्य

मथुरा (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका पर स्टे नहीं दिया। मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनने का फैसला सुनाया था। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्षकार एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- मुस्लिम पक्ष गलत तरीके से सुप्रीम कोर्ट गया। हमारी तरफ से ऑब्जेक्शन दाखिल किया गया था। पहले इनको (मुस्लिम पक्ष) हाईकोर्ट की डबल बेंच में याचिका दाखिल करनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट में 4 नवंबर को मामले में सुनवाई होगी। कोर्ट ने कहा- इस दौरान मुस्लिम पक्ष चाहे तो हाईकोर्ट की डबल बेंच में याचिका दाखिल कर सकता है। दरअसल, 1 अगस्त को हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़ी हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनने का फैसला सुनाया था।

आतिशी के हाथ होगी अब दिल्ली की कमान

विधायक दल की बैठक में चुनी गई नई मुख्यमंत्री,कहा-केजरीवाल ही सीएम

मुझे बधाई न दें, माला न पहनाएं; मेरा मकसद सिर्फ उन्हें फिर से वापस लाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतिशी मार्लेना दिल्ली की नई मुख्यमंत्री होंगी। अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी की विधायक दल की बैठक में उनके नाम का प्रस्ताव रखा। जिस पर विधायकों ने सहमति जताई। दिल्ली के परिवहन मंत्री गोपाल राय ने आतिशी के नाम का ऐलान करते हुए कहा- हमने विषम परिस्थितियों में यह फैसला लिया है। केजरीवाल की ईमानदारी पर कीचड़ उछाला गया। जनता जब तक उन्हें नहीं चुनती, वे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। दोपहर एक बजे आतिशी ने मीडिया से बात की और कहा, मैं अपने गुरु अरविंद केजरीवाल जी का धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी। मुझे बधाई मत दीजिएगा, माला मत पहनाइएगा, मेरे लिए दिल्लीवालों के लिए दुख की घड़ी है कि चहेते मुख्यमंत्री इस्तीफा देंगे। इस बीच,एएपी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा, जिसके परिवार ने आतंकी अफजल गुरु के लिए लड़ाई लड़ी, उसे आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री बना दिया। भगवान दिल्ली की रक्षा करे। दिल्ली के लिए आज बहुत दुख का दिन है। आतिशी के सीएम बनने के बाद अब केजरीवाल शाम 4.30 बजे उपराज्यपाल विनय सक्सेना को इस्तीफा सौंपा। नई सरकार बनाने का प्रस्ताव पेश किया। दिल्ली सरकार ने 26 और 27 सितंबर को 2 दिन का विधानसभा सत्र बुलाया है।

नाइजीरिया को भारत से मिलेंगे प्रंचड लड़ाकू हेलीकॉप्टर

- बदल जाएगी अफ्रीकी देश की सेना की किस्मत,अधिकारी ले रहे हैं ट्रेनिंग

अबुजा (एजेंसी)। नाइजीरिया की सरकार बेंगलुरू स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से चार लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) खरीदने की योजना बना रही है। नाइजीरिया सॉफ्ट क्रेडिट व्यवस्था के जरिए एलसीएच खरीदने वाला पहला देश बनने जा रहा है, जो उसकी सैन्य क्षमताओं में अहम बढ़ोतरी करेगा। यह अंतरराष्ट्रीय रक्षा साझेदारी के लिहाज से एक अहम कदम है।

साथ ही नाइजीरिया की अपनी हवाई रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने की कोशिश को भी दिखाता है। नाइजीरियाई सरकार की पहल के साथ-साथ ये एचएएल की रणनीतिक पहुंच भी इस समझौते से दिखती है। रिपोर्ट के मुताबिक, नाइजीरियाई सेना के अधिकारियों ने रोटरी विंग अकादमी में एचएएल के ध्रुव हेलीकॉप्टरों के लिए ट्रेनिंग पूरी कर ली है। फिलहाल एचएएल और नाइजीरियाई अधिकारियों के बीच चर्चा चल रही है और जल्द ही समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 18 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

10 साल हरियाणा सरकार चलाने वाले बीजेपी दिग्गज मुश्किल में

- विज-बिश्नोई समेत नेताओं का विरोध, चुनाव आयोग बढ़ाएगा सुरक्षा

स्कक्से रिपोर्ट तलब

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा में 10 साल सरकार चलाने के बावजूद विधानसभा चुनाव में बीजेपी उम्मीदवारों को विरोध झेलना पड़ रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान ग्रामीण तीखे सवाल पूछ रहे हैं। ग्रामीणों के विरोध में कोई छोटे नेता नहीं बल्कि बीजेपी के दिग्गज ही घिर रहे हैं। इसे देखते हुए अब चुनाव आयोग भी अलर्ट हो गया है। आयोग

अब बीजेपी समेत सभी नेशनल पार्टियों के उम्मीदवारों की सिक्योरिटी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से रिपोर्ट मांगी गई है। ईसी ने सभी एसपी से उनकी विधानसभा के हिसाब से रिपोर्ट मांग ली है। जिसमें पूछा गया है कि उम्मीदवारों के पास कितनी सिक्योरिटी है। उन्हें कितनी और सिक्योरिटी की जरूरत है। आयोग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक उन्हें इनपुट मिले हैं कि विरोध की आड़ में उम्मीदवारों और नेताओं पर हमले जैसी स्थिति भी हो सकती है। वहीं अगर कोई क्षेत्रीय पार्टी या निर्दलीय उम्मीदवार भी इसको लेकर शिकायत करता है तो एप्लीकेशन आने पर उनकी भी सुरक्षा बढ़ाई जा सकती है।

हरियाणा में शरद पवार ने गुट 7 उम्मीदवार उतारे

नई दिल्ली । अजीत पवार और प्रफुल पटेल हरियाणा चुनाव में एक भी सीट पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी खड़ा नहीं कर सके वहीं शरद पवार ने 7 प्रत्याशी खड़े कर के इन दोनों नेताओं के राष्ट्रीय नेता होने के दावों की हवा निकाल दी है ।

राकांपा सूत्र बताते हैं कि हरियाणा चुनाव में उम्मीदवार खड़े करने का विश्वास अजीत पवार और प्रफुल पटेल को था क्योंकि हाल में में शरद पवार और सुप्रिया सुले के व्यवहार को लेकर तरह तरह के आरोप लगाने के बाद उनकी पार्टी को छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सदस्यता लेने वाले धीरज शर्मा और सोनिया दोहन दोनों ही हरियाणा से है । शरद पवार ने भी इन दोनों को 10 साल अपने सिर पर बैठा कर रखा था । यही काम अजीत पवार व प्रफुल्ल पटेल ने भी किया क्योंकि इन्हें लगता था कि शरद पवार गुट इससे कमजोर हो जायेगा । लेकिन सुप्रिया सुले ने इनकी हक़ीक़त समझ कर अपनी पार्टी से निष्कासित कर दिया था । इनके निष्कासन को सुनील तटकरे ने पार्टी के लिये वरदान बताते हुए अजीत पवार को इन्हें पार्टी में लेने के लिये मनाया । राकांपा में हरियाणा के विधानसभा चुनाव ने धीरज शर्मा और सोनिया दुहन की कलई खोल कर रख दी है ।

अजित पवार और उनके हनुमान व रायगढ़ के सांसद सुनील तटकरे पूरे दमख़म के साथ हरियाणा की 90 सीटों पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को हरियाणा में धीरज शर्मा के भरोसे चुनाव लड़ने के लिये कमर कसे थे। लेकिन जो धीरज शर्मा करोड़ों युवाओं को सदस्य बनाने का दावा कर रहा हो वह अपने गृह राज्य से पार्टी के लिये एक उम्मीदवार भी नहीं दे सका है । वहीं शरद पवार ने अपनी पार्टी से उम्मीदवार खड़े कर के अजीत पवार व प्रफुल पटेल को अपनी राजनैतिक हैसियत का अहसास करा दिया।

हरियाणा के चुनाव में एक भी उम्मीदवार का नाम सुझाने की औक़ात नहीं रखने वाले धीरज शर्मा की भी पोल पट्टी खुलने के बाद अब शरद पवार का गुट फूला नहीं समा रहा है।

कांग्रेस का ईकोसिस्टम भड़का, सत्ता के भूखों को परेशानी हुई

- सीजेआई के घर पूजा के बाद पीएम मोदी ने दिया पहला बयान
- कहा-अंग्रेजों की नजरों में भी खटकता था हमारा गणेश उत्सव

भुवनेश्वर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि कुछ दिनों पहले जब उन्होंने गणेश पूजन में हिस्सा लिया तो इसके बाद से ही कांग्रेस और उसके इकोसिस्टम के लोग बुरी तरह भड़के हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सरकार वाले कर्नाटक में भगवान गणेश की प्रतिमा को सलाखों के पीछे डाल दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक से आई तस्वीरों से पूरा देश विचलित हुआ है। मोदी ने कहा कि यह सोच बहुत नफरत भरी है और समाज में जहर घोलने वाली ऐसी मानसिकता हमारे देश के लिए बहुत खतरनाक है। भुवनेश्वर में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गणेश उत्सव में सभी

वर्गों के लोग शामिल होते हैं। मोदी ने कहा कि बांटो और राज करो की नीति पर चलने वाले अंग्रेजों की नजरों में भी उस समय गणेश उत्सव खटकता था और

आज भी समाज को बांटने और तोड़ने में लगे सत्ता के भूखे लोगों को गणेश पूजा से परेशानी हो रही है। याद दिलाना होगा कि कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में सीजेआई चंद्रचूड़ के घर पर गणपति पूजा समारोह में शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इसकी जानकारी अपने एक्स हैंडल पर दी थी। इसका जो वीडियो सामने आया था, उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीजेआई चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी भगवान गणेश की पूजा करते हुए दिखाई दिए थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र में परंपरागत रूप से पहनी जाने वाली टोपी भी पहनी थी। जैसे ही यह वीडियो सामने आया था तो हंगामा खड़ा हो गया था। हा था कि प्रधानमंत्री मोदी को सीजेआई के घर नहीं जाना चाहिए था। तब यह सवाल उठा था कि इस पर आखिर इतना विवाद क्यों हो रहा है।

देश भर में बुलडोजर ऐक्शन पर अब सुप्रीम 'ऐक्शन'

- कोर्ट ने लगाई रोक कहा-बिना इजाजत अब न करें कार्रवाई
- केंद्र बोला-हाथ न बांधें, कोर्ट बोला-आसमान नहीं फट पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कहा गया कि हमारी अनुमति लेकर एक्शन न लें। इस मामले की अगली सुनवाई 1 अक्टूबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि यह भी कहा कि यह निर्देश अवैध निर्माण पर लागू नहीं होगा। साथ ही सभी पक्षों को सुनकर जल्द दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि 1 अक्टूबर तक बिना उसकी अनुमति के कहीं भी बुलडोजर से किसी प्रॉपर्टी को नहीं गिराया जाएगा। कोर्ट ने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश सार्वजनिक सड़क, फुटपाथ और किसी भी अनधिकृति निर्माण पर लागू नहीं होगा। इससे पहले हुई सुनवाई के दौरान भी सुप्रीम कोर्ट की ओर से बुलडोजर एक्शन पर सवाल खड़े किए

गए थे। याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की ओर से यह बात कही गई। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान राज्यों को निर्देश देते हुए कहा कि बुलडोजर जस्टिस का महिमामंडन बंद होना चाहिए। कानूनी प्रक्रिया के तहत ही अतिक्रमण हटाएं। कोर्ट ने कहा था- अतिक्रमण को संरक्षण नहीं सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि भले ही कोई दोषी क्यों न हो, फिर भी कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता। हालांकि बेंच ने यह भी स्पष्ट किया था कि वह सार्वजनिक सड़कों पर अतिक्रमण को संरक्षण नहीं देगा।

महिला डॉक्टरों की सुरक्षा बंगाल सरकार का काम

सुप्रीम कोर्ट बोला-

उन्हें नाइट शिफ्ट करने से नहीं रोक सकते

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने महिला डॉक्टरों की नाइट ड्यूटी खत्म करने के फैसले पर बंगाल सरकार को फटकार लगाई।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा कि आप कैसे कह सकते हैं कि महिलाएं रात में काम नहीं कर सकतीं। उन्हें कोई रियायत नहीं चाहिए। सरकार का काम उन्हें सुरक्षा देना है। पायलट, सेना जैसे सभी प्रोफेशन में महिलाएं रात में काम करती हैं। कोर्ट ने विकिपीडिया को मृत ट्रेनी डॉक्टर का नाम और तस्वीर हटाने का आदेश दिया है।

इसी कार्यकाल में लागू करेंगे एक देश-एक चुनाव व्यवस्था

- मोदी 3.0 के 100 दिन पूरे, शाह ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को मोदी सरकार के 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। अमित शाह ने कहा कि सरकार के कार्यकाल के दौरान एक देश एक चुनाव लागू करने की योजना है। साथ ही मणिपुर में शांति के लिए वे मैतेई और कुकी दोनों समुदायों से बात कर रहे हैं। शाह ने कहा- तीसरे कार्यकाल के 100 दिन में मोदी सरकार ने 15 लाख करोड़ की योजनाएं शुरू कीं, टैक्स राहत दी और किसानों के खाते में 3 लाख करोड़ रुपए पहुंचाए। आज देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा मजबूत है। इकोनॉमी सभी 14 पैमानों पर खरी उतरी है। आज इकोनॉमी में रीढ़ दिखाई देती है। हमारे जैसे लाखों कार्यकर्ता सेवा में लगेंगे।

शाह बोले-

मणिपुर में मैतेई व कुकी लोगों से बातचीत जारी

अरुणाचल बॉर्डर के पास चीन तैयार कर रहा नया हेलीपोर्ट

- एलएसी से सिर्फ 20 किमी दूरी, सैटेलाइट तस्वीर में खुलासा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन एक तरफ भारत के साथ स्थिति सामान्य करने की बात करता है, दूसरी तरफ वह सीमा पर लगातार अपना सैन्य ढांचा मजबूत करने में लगा हुआ है। चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी भारत की सीमा से महज 20 किलोमीटर की दूरी पर एक नया हेलीपोर्ट बना रही है। सैटेलाइट इमेजरी के विशेषज्ञ डेमियन साइमन ने अपने एक्स हैंडल पर इस बारे में जानकारी दी है। एक्स पर एक पोस्ट में साइमन ने बताया है कि अरुणाचल प्रदेश के फिशटेल्स सेक्टर के पास एक नया हेलीपोर्ट बना रहा है, जो भारतीय सीमा से महज 20 किमी की दूरी पर है। इस सुविधा से चीन की अग्रिम चौकियों पर सैनिकों को तेजी से भेजने की क्षमता में वृद्धि होगी और सीमा पर उसकी गश्त में सुधार होगा। चीन ने इसके पहले जुलाई में पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग त्सो पर अपने कब्जे वाले क्षेत्र में एक पुल का निर्माण पूरा किया था, जिससे उसके लिए क्षेत्र सैनिकों की आवाजाही आसान हो गई है। सैटेलाइट इमेज ने बताया था कि जुलाई महीने में ही चीन ने ब्लैक टॉपिंग का काम पूरा कर लिया था।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

ममता सरकार का ऐक्शन पुलिस कमिश्नर को हटाया

- विनीत गोयल की जगह मनोज वर्मा होंगे कमिश्नर, 5 और अधिकारियों के विभाग बदले

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता के पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को पद से हटा दिया है। उनकी जगह मनोज वर्मा लेंगे। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टरों ने पुलिस कमिश्नर समेत स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर को हटाने की मांग की थी। इसके अलावा 5 और पुलिस अधिकारियों के पद भी बदले गए हैं। जावेद शमीम आईजी कानून व्यवस्था, विनीत गोयल सीपी और डीजी एसटीएफ, ज्ञानवंत सिंह आईजी और इंटेलीजेंस ब्यूरो, दीपक सरकार नॉर्थ कलेक्टर, अभिषेक गुप्ता ईएफआर सेकंड बटालियन का नाम शामिल है। त्रिपुरारी अथर्व को डायरेक्टर चुना गया है। 16 सितंबर को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और डॉक्टरों के बीच बैठक हुई थी। इसके बाद ममता ने कहा था कि उन्होंने डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मान ली हैं। सीएम ने डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील करते हुए कहा था वे प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के खिलाफ ऐक्शन नहीं लेंगी। हालांकि, डॉक्टरों का प्रदर्शन मंगलवार को 39वें दिन भी जारी है।

भारत-अमेरिका की बढ़ती दोस्ती से परेशान हैं चीन और रूस

अमरीकी डिप्लोमेट बोले-

हमारे काम का दुनिया में होता है असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के एक डिप्लोमेट का कहना है कि भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर चीन-रूस परेशान हैं। अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने सोमवार को कहा कि चीन और रूस मजबूत भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर चिंतित हैं क्योंकि यह समावेशिता, शांति और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देता है। प्रबंधन और संसाधन राज्य के उप सचिव रिचर्ड वर्मा ने भारत-अमेरिका संबंधों पर टिप्पणी देने के बाद एक सवाल के जवाब में प्रतिष्ठित हडसन इंस्टीट्यूट में कहा, सच कहूं तो, आपको क्या लगता है कि चीन और रूस इस साझेदारी को लेकर इतने चिंतित क्यों हैं। क्योंकि हम बाकी दुनिया के लिए जीवन जीने का एक तरीका लाते हैं, जो समावेशिता के बारे में है, शांति के बारे में है, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के बारे में है, शासन के बारे में है कानून और यह समाज में हर किसी की आवाज सुनने के बारे में है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 24 सीटों पर वोटिंग आज

फर्स्ट फेज में महबूबा की बेटी इल्तिजा समेत 219 कैंडीडेट्स

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के फर्स्ट फेज में कल 18 सितंबर को 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। जिसमें 23.27 लाख वोटर्स शामिल होंगे। फर्स्ट फेज की 24 में से 8 सीटें जम्मू डिवीजन और 16 सीटें कश्मीर घाटी में है। सबसे ज्यादा 7 सीटें अनंतनाग और सबसे कम 2-2 सीटें शोपियां और रामबन जिले की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, पहले फेज में 219 कैंडीडेट्स मैदान में हैं। इनमें 9 महिलाएं और 92 निर्दलीय उम्मीदवार हैं। 110 कैंडीडेट्स करोड़पति हैं जबकि 36 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इस फेज में मुफ्ती परिवार का गढ़ रही बिजबेहरा सीट भी है। यहां पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। महबूबा और उनके पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद सीएम रह चुके हैं। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन फेज में वोटिंग होगी। नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। दरअसल, जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। 2014 चुनाव में पीडीपी ने सबसे ज्यादा 28 और भाजपा ने 25 सीटें जीती थी। दोनों पार्टियों ने मिलकर सरकार बनाई थी। पहले फेज में अनंतनाग की 7, पुलवामा की 4, कुलगाम, किश्तवाड़ और डोडा की 3-3, शोपियां और रामबन की 2-2 सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

मुझे गुलाबी होने की जरूरत नहीं...

महाराष्ट्र चुनावों से पहले शुरू हुई रंगों पर सियासत

मुख्यमंत्री शिंदे ने उप मुख्यमंत्री अजित पवार पर कसा तंज

- शिवसेना यूबीटी नेता अंबादास दानवे बोले, सबका रंग काला है

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों से पहले जहां डिप्टी सीएम अजित पवार गुलाबी रंग में रंगे हुए हैं तो वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने साफ किया है कि उन्हें गुलाबी रंग की जरूरत नहीं है। सीएम शिंदे के इस बयान को अजीत पवार के ऊपर तंज के तौर पर देखा जा रहा है। महाराष्ट्र में वित्त विभाग संभाल रहे उप मुख्यमंत्री अजित पवार लाडली बहन योजना का ऐलान करने के बाद नए अवतार में हैं। उनकी पार्टी ने गुलाबी रंग से मेकओवर किया है।

इंदौर में रोटरी का साक्षरता कार्यक्रम

निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए 1300 अक्षर पोथी जिला समन्वयक को सौंपी

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश से निरक्षरों को साक्षर कर देश को अग्रणी बनाना रोटरी का लक्ष्य है। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 1 लाख अक्षर पोथी की पहली किश्त में 10,000 अक्षर पोथी छापी गई, जिसमें से से 1300 अक्षर पोथी जिला समन्वयक अशोक जोशी को प्रदान की गई।रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अनीश मलिक ने बताया कि कार्यक्रम में समाज के जरूरतमंदों के लिए वरदान आशीर्वाद प्रोजेक्ट, रोज़गार मेला, क्रिकेट टूर्नामेंट एवं नवरात्रि के अंतर्गत संयुक्त गरबा आयोजन पर भी चर्चा की गई है। साथ ही रोटरी के सभी क्लबों द्वारा दिवाली मिलन समारोह रोटरी फ़ाउंडेशन पर सभा एवं जनवरी में आयोजित किए जाने वाले रोटरी मंडल 3040 के अधिवेशन पर भी योजना बनाई गई। बैठक में मंडल से सभी सदस्यों द्वारा हिस्सा लिया गया द्य कार्यक्रम के प्रारंभ डिस्ट्रिक्ट ट्रेनर संजीव गुप्ता ने कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी दी। नवभारत उल्लास साक्षरता की भी जानकारी पूर्व रोटरी गवर्नर रवि प्रकाश लंगर एंड एवं डिस्ट्रिक्ट कमेटी चेयरमैन डॉक्टर रेणु सिंह द्वारा प्रदान की गई। कार्यक्रम में निर्वाचित मण्डल अध्यक्ष सुशील मल्होत्रा उपस्थित थे द्य रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के पब्लिक इमेज चेयरपर्सन घनश्याम सिंह ने बताया कि कार्यक्रम को रोटरी क्लब ऑफ़ इंदौर ग्रेटर द्वारा आयोजित किया गया।

बेसमेंट में पार्किंग का कमर्शियल उपयोग, दुकानें-शोरूम सील

होटल श्रीमाया, सूफा, सुजुकी एरिना सहित 18 संस्थानों के खुलने के पहले ही प्रशासन का एक्शन

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में बेसमेंट में पार्किंग के स्थान पर कमर्शियल गतिविधियां संचालित करने के खिलाफ जिला प्रशासन-नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई जारी है। मंगलवार सुबह टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एबी रोड स्थित होटल श्रीमाया, 56 दुकान स्थित होटल सूफा (नफीस की), वायएन रोड स्थित सुजुकी एरिना, सपना-संगीता रोड की तीन संस्थानों सहित 18 संस्थानों को सील कर दिया।कार्रवाई सुबह 9 बजे जूनी इंदौर एसडीएम घनश्याम धनगर के नेतृत्व में शुरू की गई। सबसे पहले कार्रवाई प्रिंस प्लाजा स्थित संजरी मेडिकल स्टोर, राधा स्वामी मेडिकल, अश्विन मेडिकल, डॉल्फिन रेस्टारेंट, सत्य गीता अपार्टमेंट में राजसी साडी, भारत प्लायवुड, सेंटर पाइंट में प्रियान्स सेल, स्टेचिंग पाइंट, शिवांग इंटरप्राइजेस, श्री बिल्डिंग मटेरियल की 6 दुकानें सहित अन्य संस्थानों पर की गई। इसके साथ ही पूर्व में सील किए संस्थानों के मामले में कुछ बिल्डिंग संचालकों ने दिए शपथ पत्र दिए हैं। इसमें कहा गया है कि वे जल्द ही अपने संस्थान को हटाकर जगह पार्किंग के लिए खाली कर देंगे।

फार्मा कंपनी की एचआर मैनेजर से रेप

फेसबुक पर हुई दोस्ती, शादी के नाम 5 साल बनाए संबंध, फिर कहा- जितने चाहिए पैसे ले लो, शादी नहीं करूंगा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की राऊ पुलिस ने एक फार्मा कंपनी की एचआर मैनेजर से रेप का केस दर्ज किया है। पीड़िता और आरोपी के बीच 10 साल पहले फेसबुक पर दोस्ती हुई थी। आरोपी ने रेप के बाद शादी की बात से इनकार किया और पीड़िता से कहा कि वह रुपए ले ले और सब कुछ भूल जाए। पुलिस ने इस मामले में कारवाई की है।राऊ पुलिस के मुताबिक 32 साल की युवती की शिकायत पर पुलिस ने करण पुत्र देवीसिंह यादव निवासी पहाड़सिंह पुरा जिला खरगोन पर केस दर्ज किया है। युवती के मुताबिक वह निजी फार्मा कंपनी में एचआर के पद पर काम करती है। उसकी पहचान 2013-14 में फेसबुक के माध्यम से करण से हुई।दो साल बाद साल 2016 में करण ने कहा कि वह उसे पसंद करता है और शादी करना चाहता है। 2017 में करण ने पीड़िता के घर जाकर शादी का हवाला देकर जबरदस्ती संबंध बनाए। यह सिलसिला 2022 तक चला। इसके बाद करण के बर्थडे पर उसने कहा कि मैं परिवार से बात करके जल्द ही शादी करूंगा।इसके बाद एक दिन उसने कहा कि शादी के लिए घर वाले नहीं मान रहे हैं। वे नहीं मानेंगे तो मैं शादी नहीं कर पाउंगा। मैं शादी के लिए कहती थी तो वह बात नहीं करता था। एक दिन करण इंदौर आया और पीड़िता से मारपीट कर कहा कि मैं उससे शादी करने लायक नहीं हूं। किसी और से शादी करने के लिए कहने लगा।फिर कहा कि तुम्हें जितने रुपए की जरुरत होगी दे दूंगा लेकिन शादी नहीं करूंगा। मानसिक रूप से परेशान होने के बाद पीड़िता ने राऊ थाने जाकर करण के खिलाफ रेप की धाराओं में केस दर्ज कराया।

बांग्लादेश में निर्यात घटा, हल्दी में आगे तेजी की उम्मीद

इंदौर (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों से हल्दी का भाव नरम चल रहा था, मगर अब इसमें पहले स्थिरता और फिर तेजी आने की उम्मीद है। जानकारों के अनुसार मौजूदा स्तर के मुकाबले नवंबर के प्रथम सप्ताह तक इजाफा हो सकता है।व्यापार विश्लेषकों के मुताबिक हल्दी का स्टॉक कम है और भारी वर्षा, जल-जमाव एवं बाढ़ से फसल को नुकसान होने की सूचना भी मिल रही है जबकि त्योहारी मांग निकलनी शुरू हो गई है। उल्लेखनीय है कि 27 मई को हल्दी का वायदा भाव तेजी से उछलकर 20430 रुपए प्रति क्विंटल की ऊंचाई पर पहुंच गया था, लेकिन उसके बाद घटते हुए जुलाई में यह 15000 रुपए प्रति क्विंटल और फिर अगस्त के अंतिम सप्ताह में 13000 रुपए प्रति क्विंटल की रेंज में आ गया। इस गिरावट का मुख्य कारण बांग्लादेश में निर्यात काफी घट जाना रहा है जबकि कॉमेक्स पर निवेशकों व सटोरियों की मुनाफावसूली को भी इसका एक कारण माना गया। जानकारों के अनुसार आगामी समय में हल्दी की कीमतों में स्थिरता व तेजी का माहौल बना रहेगा और नवंबर के प्रथम सप्ताह तक इसका भाव बढ़कर 15500 से 16000 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच सकता है।

इंदौर में ई-रिक्शा के लिए लागू हो सकता है ऑड-ईवन, ट्रैफिक के लिए बन रहे परेशानी

ऑड-ईवन की व्यवस्था से शहर की सड़कों पर एक दिन आधे ही वाहन चलेंगे

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर शहर की सड़कों पर बेतरतीब दौड़ रहे ई-रिक्शा को 23 रूट पर चलाने की योजना छह माह पहले बनी थी, लेकिन इस पर अमल नहीं हो सका। अब ई-रिक्शा के संचालन की योजना बनाने की जिम्मेदारी उपसमिति को सौंपी गई है। संभावना है कि ऑड-ईवन में ई-रिक्शा का संचालन किया जा सकता है। ताकि शहर की सड़कों पर ई-रिक्शा की संख्या को कम किया जा सके। शहर में यातायात सुगमता के लिए ई-रिक्शा का संचालन शुरू किया गया था, लेकिन यह अब यातायात में बाधक बन रहे हैं।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में बनाई गई उपसमिति- मुख्य मार्गों पर ई-रिक्शा के कारण जाम की स्थित निर्मित हो जाती है। चौराहों पर एक से अधिक

ई-रिक्शा खड़े रहने से पीछे वाहनों की कतार लग जाती है। ऐसे में ई-रिक्शा के व्यवस्थित संचालन के लिए सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में एक उपसमिति बनाई गई है।यह समिति एक सप्ताह में ई-रिक्शा के संचालन को लेकर योजना प्रस्तुत करेगी, ताकि शहर में यातायात के दबाव को कम किया जा सके। सूत्रों का कहना है कि उपसमिति ऑड-ईवन व्यवस्था की सिफारिश भी कर सकती है। इस व्यवस्था से शहर की सड़कों पर एक दिन आधे ही वाहन चलेंगे। ई-रिक्शा चालकों को भी इससे फायदा होगा और उन्हें अधिक सवारी मिल सकेगी।

परिवहन और यातायात विभाग ने मुख्य मार्गों से कॉलोनियों तक बनाए थे रूट

ई-रिक्शा के लिए परिवहन और यातायात विभाग द्वारा रूट व्यवस्था की योजना बनाई गई थी। इसमें मुख्य मार्गों से अंदर कॉलोनियों तक ई-रिक्शा का संचालन किया जाना था।रूट में सभी मुख्य मार्गों से आसपास की कॉलोनियों को कवर किया गया था। इसकी वजह यह थी कि मुख्य मार्गों से ई-रिक्शा के दबाव को कम किया जा सके। इस प्रस्ताव पर अब तक अमल नहीं हो सका है।

सरकारी अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप

इंदौर की रहने वाली है पीड़िता, दुष्कर्म के बाद आरोपी मंगेतर ने रिश्ता भी तोड़ा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की रहने वाली एक सरकारी महिला डॉक्टर ने अपने मंगेतर के खिलाफ ही रेप का केस दर्ज करा दिया है। 28 वर्षीय महिला गुना जिले के एक अस्पताल में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर की पोस्ट पर है। वहीं पर उससे रेप किया गया। इंदौर की तेजाजीनगर पुलिस ने प्राइमरी एफआईआर दर्ज कर गुना पुलिस को शिफ्ट कर दी है। अब आगे की जांच वहीं होगी। महिला डॉक्टर ने पुलिस को बयान में बताया कि उसकी जान-पहचान मेट्रोमोनियल साइड शादी डॉट कॉम से आरोपी वरुण वर्मा निवासी मंडलेश्वर-खरगोन से हुई थी। कुछ समय पहले दोनों ने सगाई कर ली थी। शादी के पहले उसने झांसा देकर गुना के सरकारी अस्पताल आकर मेडिकल रूम में रेप किया। फिर शादी से पलट गया।

मेट्रोमोनियल साइट पर हुई थी मुलाकात

तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक पीड़ित डॉक्टर परिवार के साथ इंदौर में ही रहती है। वह गुना जिले के एक सरकारी अस्पताल में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (CHO) के पद पर

पदस्थ है। आरोपी वरुण से उसकी पहचान साढ़े चार साल पहले शादी डॉट कॉम पर हुई थी। इसके बाद दोनों बातचीत करते रहे और पसंद करने लगे।मई 2023 में परिवार की राजीमर्जी से आरोपी वरुण वर्मा से सगाई कर ली। तीन माह बाद अगस्त 2023 में वरुण उससे मिलने गुना जिले के सरकारी अस्पताल पहुंचा। यहां मेडिकल रूम में बैठकर दोनों ने बातचीत की। इसके बाद वरुण ने संबंध बनाने के लिए दबाव डाला। कहा कि दोनों की शादी होने वाली है इसलिए उसने जबरदस्ती संबंध बनाए।

फोन पर ही शादी से मुकर गया- पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वहां से जाने के बाद वरुण बात करने में आनाकानी करने लगा। फोन उठाना भी बंद कर दिए। आखिरी बार उससे 9 सितंबर को बात हुई तब उसने शादी करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद परेशान होकर महिला डॉक्टर गुना से इंदौर आई और परिवार को पूरा घटनाक्रम बताया।परिवार ने भी वरुण को फोन लगाकर बात करना चाही, लेकिन उसने कोई बात नहीं की। फिर परिवार के साथ तेजाजी नगर थाने पहुंचकर वरुण के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज कराई।

रिटायर्ड शिक्षिका सहित दो की चेन उड़ाई

भागवत कथा सुनने के दौरान वारदातें, वीडियो में दिखी संदिग्ध महिला

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के परदेशीपुरा में आयोजित एक भागवत कथा के दौरान रिटायर्ड शिक्षिका सहित दो महिलाओं की सोने की चेन चोरी हो गई। चोरी होने के बाद महिलाओं ने परिजनों के साथ कथा स्थल के वीडियो फुटेज देखे। इसमें एक महिला चेन निकालते दिखाई दे रही है। पुलिस आरोपी महिला की तलाश कर रही है।

परदेशीपुरा पुलिस के मुताबिक रिटायर्ड टीचर सविता गोयल ने पुलिस को सोने की चेन चोरी की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि वे 12 सिंतबर को नंदानगर में आयोजित भागवत कथा सुनने गई थी। यहां आरती के बाद पूजा स्थल की परिक्रमा के दौरान एक महिला ने चेन निकाल ली। घटना के लिए वहां हो रही वीडियोग्राफी के फुटेज देखे। इस दौरान पता चला कि वहां एक और महिला नत्थूबाई पति कैलाश शर्मा निवासी नंदानगर की भी सोने की चेन चोरी हुई है। मामले में पुलिस से शिकायत की है।

छात्रों के लैपटॉप, मोबाइल पर्स गायब- भंवरकुआ में अनिकेत खरे निवासी शिवम पुरी कॉलोनी ने बताया कि वह अपने दोस्त ध्रुव अग्रवाल, अक्षय सोमकुंवर और साकेत जैन के साथ खुश विहार अपार्टमैंट में रहता है। रात में वह रूम का गेट खुला कर सो गए थे। बदमाश तीनों के लैपटाप चुराकर ले गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।एक अन्य मामले में एमआईजी में देवांश राठौर ने पुलिस को बताया कि वह दोस्त हरिओम और पार्थ राठौर के साथ रहता है।

इंदौर में कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्रियों का पुतला फूँका

राहुल गांधी पर दिए बयान पर नाराज थे कांग्रेस नेता, बोले- वे देश के आवाज बन चुके

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड का पुतला जलाया। कांग्रेस प्रदर्शनकारियों ने पुतलों पर हम पागल हो गए हैं, हमें पागलखाने में भर्ती किया जाए लिखकर भाजपा नेताओं की बयानबाजी का मखौल उड़ाया। बता दें कि रीगल चौराहे पर हुए इस प्रदर्शन में कांग्रेस के चार से पांच नेता ही मौजूद थे। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्रीय मंत्रियों ने राहुल गांधी के खिलाफ विवादित बयान दिया था।कांग्रेस का कहना है कि वे अब देश की जनता की आवाज बन चुके हैं। भाजपा की यह घबराहट उनके बयान से साफ झलक रही है। पार्टी ने साफ किया कि वे इस तरह की बयानबाजी का मुंहतोड़ जवाब देने पूरी तरह तैयार हैं।कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है

कि राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर भाजपा और उनके सहयोगी दल अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल को आतंकी कहा, जबकि शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड ने उनकी जुबान काटकर लाने वाले को 11 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। इन बयानों की तीव्र आलोचना करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह भाजपा की मानसिकता को दर्शाता है, जो अब हिंसा और अपमान की भाषा पर उतर आई है।

काम के तनाव में युवक ने आत्महत्या की

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एमआईजी इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने डिप्रेशन के चलते सोमवार को सुसाइड कर लिया। सोमवार शाम पत्नी जॉब से घर आई तो उसने पति को फंदे पर देखा। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एमआईजी पुलिस के मुताबिक घटना देव नगर की है।यहां रहने वाले धर्मेन्द्र (39) पुत्र हीरालाल रायकवार ने अपने घर में फांसी लगा ली। सोमवार देर शाम परिजन धर्मेंद्र का शव लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचे थे। उनका बड़ा बेटा रतलाम में परिवार के साथ रहता है। वहीं छोटा बेटा दोस्तों के साथ बाहर गया था। पत्नी जॉब पर गई थी। पुलिस के मुताबिक धर्मेन्द्र को तनाव के चलते नशे की लत भी लग गई थी।

मंकीपॉक्स से कहीं कोरोना जैसे हालात न हो जाए

निपटने के लिए इंदौर में तैयारी शुरू, बनेगा अलग वार्ड

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मंकीपॉक्स का खतरा बढ़ता जा रहा है। ताजा खबर इंदौर से है। यहां मंकीपॉक्स के संभावित खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने विशेष सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। कोरोना महामारी के अनुभवों से सबक लेते हुए विशेष मंकीपॉक्स वार्ड तैयार किया जा रहा है। मंकीपॉक्स वार्ड मनोरमा राजे टीबी अस्पताल में स्थापित किया जाएगा, जहां संभावित मंकीपॉक्स रोगियों के इलाज की पूरी व्यवस्था रहेगी। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि इस वार्ड में सभी आवश्यक मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध होंगी- जैसे कि करीब पांच बेड की व्यवस्था और संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी दवाइयां स्टाक में रखी जाएंगी। इसके साथ ही अलग से स्टाफ को भी इस वार्ड में काम करने के लिए नियुक्त किया जाएगा, जिन्हें मंकी पॉक्स के

लक्षण, इलाज और रोगियों की देखभाल के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शहर में नहीं है अभी कोई मरीज

इंदौर में अभी तक मंकीपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन देश के कुछ राज्यों में इसके मामले बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि यह वायरस काफी तेजी से फैलता है, इसलिए प्रारंभिक तैयारियों को प्राथमिकता दी जा रही है। शहर में हालात नियंत्रण में रहें, इसके लिए तैयारियां की जा रही है। इसके अलावा शहर के प्रमुख अस्पतालों को भी अलर्ट पर रहने और आवश्यक दवाइयों के स्टाक की समीक्षा करने का निर्देश दिया है।

यह है मंकी पॉक्स के लक्षण

बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, गर्दन या जांघों में सूचन, शरीर पर दाने और घाव। यह वायरस मंकीपॉक्स संक्रमित व्यक्ति से संपर्क में आने, जानवरों के संपर्क में आने से जैसे उनके काटने, खरोंचने से, मां से शिशु में आता है।

छठी अनुसूची लागू करने की मांग

सोनम वांगचुक के पैदल मार्च में जयस राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकेश मुजाल्दा हुए शामिल

इंदौर (एजेंसी)। लेह लद्दाख से शुरू हुए 'जल-जंगल-जमीन बचाओ, छठी अनुसूची लागू करो' पैदल मार्च को जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) का पूरा समर्थन प्राप्त हुआ है। इस महत्वपूर्ण जन आंदोलन का नेतृत्व कर रहे प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के साथ अब जयस के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजी. लोकेश मुजाल्दा, जयस संस्थापक विक्रम अच्छालिया भी डेलिगेशन के साथ हिमाचल के सियांग में इस मार्च में शामिल हो गए हैं।जयस ने इस मार्च में शामिल होकर लद्दाख के लोगों की जल, जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों की सुरक्षा व हिमालय बचाने के प्रति अपना समर्थन और एकजुटता प्रकट की है। जयस का मानना है कि लद्दाख के लोगों के पारंपरिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए 6ठी अनुसूची का लागू

होना अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो उन्हें स्वायत्तता और संसाधनों की रक्षा के लिए आवश्यक कानूनी सुरक्षा प्रदान करेगी।इस अवसर पर इंजी. लोकेश मुजाल्दा ने कहा, लद्दाख के प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और यहां के स्थानीय समुदायों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए यह आंदोलन एक मील का पत्थर साबित होगा।

जयस इस संघर्ष में पूरी तरह साथ खड़ा है और देशभर के आदिवासी समाजों को इस महत्वपूर्ण मुद्दे से जोड़ने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। 2 अक्टूबर को दिल्ली में भी होंगे शामिल। सोनम वांगचुक के नेतृत्व में यह पैदल मार्च लद्दाख के विभिन्न हिस्सों से गुजरते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लद्दाख की विशिष्ट सांस्कृतिक, सामाजिक और पारिस्थितिक संरचना की सुरक्षा के लिए छठी अनुसूची की मांग को उठाएगा।

इस मार्च का उद्देश्य लद्दाख की आवाज़ को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाकर संविधान के तहत दी गई संवैधानिक सुरक्षा का आग्रह करना है। पैदल मार्च में जयस डेलिगेशन में जयस राष्ट्रीय सचिव अजय कनोजे, जयस छात्र संगठन मध्यप्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल बघेल, इंदौर जिला अध्यक्ष पवन डावर, संजू सोलंकी, मनोज मुजाल्दे, रविन्द्र रावत, सुरेश मुजाल्दे, पवन अहिरवार, विशाल बड़ोले, मयूर परमार, संदीप, राहुल गोलू सहित अन्य जयस कार्यकर्ता शामिल हुए।

इंदौर में मौसम हुआ साफ था

दोपहर बाद कहीं-कहीं हुई बूंदाबांदी, तीन दिनों से दिन और रात का तापमान एक जैसा

इंदौर में इन दिनों मौसम साफ ही है। मंगलवार को भी सुबह से आसमान साफ था और धूप खिली हुई है। अभी प्रदेश के अन्य शहरों में बारिश का दौर शुरू हो गया है लेकिन इंदौर संभाग में तेज बारिश के आसार नहीं हैं। आज दोपहर बाद कहीं-कहीं बूंदाबांदी के आसार हैं।अभी लो प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ की वजह से मध्य प्रदेश में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो गया है। अगले 24 घंटे भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, चंबल समेत 8 संभाग में तेज बारिश का अलर्ट है। आज मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन

संभाग में बूंदाबांदी के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक डीप डिप्रेशन की वजह से अन्य जिलों में बारिश हो रही है। हालांकि, यह आगे डिप्रेशन में बदल जाएगा। मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इन तीनों सिस्टम की वजह से अगले 2 दिन बारिश का दौर बना रहेगा। इंदौर में इसका खास असर नहीं है।इसके पूर्व पिछले तीन दिनों से दिन का तापमान 30 डिग्री (0) और रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के करीब ही है। अभी दिन और रात का तापमान औसत पर टिका है। पूरे हफ्ते 5 मिमी भी बारिश नहीं हुई है।

संपादकीय

यह निम्नस्तरीय टिप्पणियां अस्वीकार्य

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी तीन दिनी अमेरिका यात्रा के दौरान सिखों को लेकर जो टिप्पणी की थी, उसकी व्यापक आलोचना हो रही है, लेकिन इस पर भारत में राहुल पर जिस ओछी भाषा में हमले हो रहे हैं, वह भी स्वस्थ राजनीति की निशानी नहीं है। राहुल की सोच और अभिव्यक्ति में तालमेल अक्सर गड़बड़ा जाता है। यह कोई नई बात नहीं है। लेकिन विपक्षी और खासकर शिवसेना शिंदे गुट के एक विधायक ने जिस निम्नस्तरीय भाषा का उपयोग राहुल के खिलाफ किया है, वह अत्यंत निंदनीय और अस्वीकार्य है। चिंता की बात यह है कि राहुल पर यह हमला उस बयान के लिए किया गया है, जिस पर उनकी सफाई पहले ही आ चुकी है। लेकिन राहुल के बयान के तोड़ मरोड़ कर पेश किए वर्जन पर ही शिवसेना शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड़ ने अत्यंत विवादास्पद बयान किया कि राहुल गांधी के कथित आरक्षण विरोधी बयान पर उनकी 'जीभ काटने वाले' को 11 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। गायकवाड़ ने एक न्यूज एजेंसी से कहा कि जब राहुल विदेश में थे, तब उन्होंने कहा था कि वह भारत में आरक्षण व्यवस्था खत्म करना चाहते हैं। इससे कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है। गायकवाड़ ने कहा कि राहुल का बयान उस मानसिकता को दर्शाता है, जो स्वाभाविक रूप से आरक्षण का विरोध करती है। मैं राहुल गांधी की जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपये का इनाम दूंगा। विदर्भ क्षेत्र की बुलढाणा विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक गायकवाड़ कई विवादों में घिरे रहे हैं। इसी साल फरवरी में गायकवाड़ ने दावा करके विवाद पैदा कर दिया था, उन्होंने 1987 में एक बाघ का शिकार किया था और तब से उसके दाँत को हार के रूप में पहन रहे हैं। जवाब में, राज्य वन विभाग ने कथित बाघ के दांत को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा और गायकवाड़ पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आरोप लगाया। बताया जाता है कि गायकवाड़ ने राहुल के बयान पर अपनी बेलगाम प्रतिक्रिया भाजपा आईटी सेल द्वारा व्हाट्स एप पर फैलाई फेक न्यूज के आधार पर दी थी। जबकि राहुल ने यह कहा था कि समाज में समानता आने पर आरक्षण खत्म किया जाएगा। गायकवाड के बयान पर महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने बड़ी चालाकी से अपनी पार्टी को शिंदे सेना के विधायक के बयान से अलग कर लिया लेकिन यह कहना नहीं भूले कि कांग्रेस आरक्षण के खिलाफ है। बता दें कि भाजपा राज्य में शिवसेना के नेतृत्व वाली सरकार का एक घटक है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हम यह नहीं भूल सकते कि पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने आरक्षण का विरोध करते हुए कहा था कि इससे प्रगति प्रभावित होगी। इसी तरह राहुल द्वारा भारत में सिखों की स्थिति के बारे में अमेरिका में दिए गए बयान पर केन्द्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि अगर राहुल 'बम बनाने वालों' का समर्थन कर रहे हैं, तो राहुल नंबर एक आतंकवादी हैं। यही नहीं, दिल्ली बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने राहुल गांधी के आवास के बाहर किये गये बीजेपी के एक प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीधे हत्या की धमकी दी। वो बोले कि आने वाले टाइम में राहुल का भी वही हाल होगा, जो उनकी दादी का हुआ। जाहिर है कि ये बयान भाजपा की सहमति के बगैर नहीं दिए गए होंगे। राजनीति में व्यक्तिगत और सैद्धांतिक आलोचना होती है, लेकिन उसकी भी एक मर्यादा है। आलोचना के नाम गाली गलौज सभ्यता की निशानी नहीं है। यह मानसिक संयम खोना है। ऐसे बयानों से अंततः राहुल गांधी तो ताकत ही मिलेगी।

नजरिया

अनुराग बेहार

लेखक अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सीईओ एवं अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के संस्थापक वाइस चांसलर हैं।

शैक्षिक व सामाजिक उद्देश्यों में नेतृत्व की भूमिका

शाला पूर्व शिक्षा से लेकर स्नातकोत्तर तक मैं कुल जमा नौ संस्थाओं में पढ़ा। इनमें से दो संस्थाएँ धार्मिक ट्रस्ट द्वारा संचालित थीं। इन दो के अलावा इनमें से किसी भी संस्था ने अपनी धार्मिक मान्यताओं से हमें प्रभावित करने का जरा भी प्रयास नहीं किया। हालांकि इन दोनों संस्थाओं के साथ मेरे अनुभव बिलकुल अलग थे। इनमें से एक संस्था का उद्देश्य तो स्पष्ट रूप से छात्रों की शिक्षा था और यह हर तरह से परिलक्षित होता था- चाहे वह शिक्षकों का व्यवहार हो, या जिस तरह से समय सारिणी बनाई गई हो या संस्था के परिसर का उपयोग किया गया हो या फिर और भी चीजों में। दूसरी संस्था में, इनमें से हर एक चीज़ एक अलग ही धारणा लिए प्रतीत होती थी।यह संस्था भगवान की सेवा के लिए काम कर रही थी और छात्रों की शिक्षा उसके लिए इसका एक जरिया मात्र थी। हालांकि हम इससे पूरी तरह अलग थे, फिर भी स्टाफ के धार्मिक दायित्व और अनुष्ठान, समय सारिणी और सभी स्थानों पर एक तरजीह रखते थे जिसमें विभिन्न प्रकार की सजावट भी शामिल थी और इन सबके पीछे वही भावना थी।

सबसे हटकर जो अंतर महसूस होता था और जो सबसे सूक्ष्म भी था, वह था शिक्षकों का व्यवहार। उनमें से ज्यादातर शिक्षकों का व्यवहार अच्छा था, लेकिन वे छात्रों से एक दूरी बनाए रखते थे, जो शायद भगवान की सेवा करने की प्रक्रिया में एक पात्र भर थे। मैं यह उनकी सही और गलत की श्वेत और श्याम जैसी धारणाओं में महसूस होता, साथ ही यह भी कि हमारे यानी छात्रों के प्रति एक तरह की सहानुभूति थी, जो कुछ विरले मौकों पर एक छुपे हुए विचार कि तरह प्रकट होती थी- तुम लोग और तुम्हारी समस्याएं हमारे और भगवान की सेवा के बीच नहीं आ सकते।

दोनों के सजा देने के तरीकों में भी काफी अंतर था। पहला वाला सुधारात्मक था और दूसरा कठोर और दंडात्मक था। यह लगभग ऐसा था जैसे कोई छात्र जो 'हाथ से फिसल गया हो' और वह जानबूझ कर उनके दैवीय प्रयासों के विपरीत जाने का काम कर रहा हो और उसे थोड़ा बहुत नारकीय अनुभव देना आवश्यक हो।मैंने धार्मिक संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे अस्पतालों के संस्थागत कार्यों में भी इस तरह का अंतर का महसूस किया है जिसका कारण विभिन्न मान्यताएँ या अस्थाएँ हैं। हालांकि इन अस्पतालों में दाखिल होने वाले मरीजों के अनुभवों में कोई खास फर्क नहीं होता है। ऐसा शायद इसलिए भी होता है क्योंकि जहां एक शैक्षणिक संस्थान में छात्र के अपराधों को ईश्वर की सेवा की भावना में बाधा के रूप में माना जा सकता है, वहीं एक अस्पताल में मरीजों को बीमारियों के लिए इस तरह के भाव के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

हो सकता है कि मैंने जहाँ शिक्षा पाई मैं उन संस्थाओं के प्रति अधिक कठोर हो रहा हूं और अपने मूल मुद्दे को उजागर करने के लिए मामलों को अति सरल बना रहा हूँ कि संस्थान कुछ मूलभूत मानदंडों या मान्यताओं के आधार पर कार्य करते हैं, जो उस

स्थान के अस्तित्व में अंतर्निहित हैं। अक्सर, ये स्पष्ट भी नहीं होते, फिर भी संस्थान को प्रभावित करते हैं। यह मूलभूत मानदंडों में एक सूक्ष्म अंतर था जिसने दोनों संस्थाओं के बीच सारा अंतर पैदा किया।हमारे सारे संस्थान और संस्थान की व्यवस्था इस तरह के नियमों के साथ कार्य करते हैं। और हम उन्हें इसी तरह स्वीकार करते जाते हैं। इनमें से कुछ तो इतने स्पष्ट रूप से उजागर हैं कि उन्हें खुलकर चित्रित करना ही बहुत मुश्किल हो जाता है और उनके उल्लंघन की घटनाएँ अक्सर हमें स्तब्ध और अव्यक्त-सा बना देती हैं।सर्दियों की एक दोपहर में हम सभी एक चाय की दुकान पर बैठे थे। सड़क के उस पार एक शैक्षणिक संस्था की चमचमाती इमारत थी, जिसे हम बिना सूचना के देखने आए थे। उस पर ताला लगा हुआ था। ताला लगा होने के लिए कोई कारण तो नहीं होना चाहिए था, क्योंकि यह एक सामान्य कार्य दिवस था। छात्रों के कुछ समूह भी उस चाय की दुकान पर खड़े थे। उन्हें यह नहीं पता था कि हम उनकी संस्था को देखने आए हैं। हमने उनसे बात करना शुरू किया और पता चला कि यहाँ प्राचार्य और दस प्राध्यापक हैं, जिनकी मिलीभगत की वजह से संस्था हमेशा बंद रहती है और वे अपनी सैलरी से अपना घर भरते हैं।

नई इमारत का निर्माण इसलिए किया गया क्योंकि निर्माण के ठेकों से भी पैसा कमाया जा सके। किसी की कोई शिकायत नहीं सुनी गई क्योंकि प्राचार्य किसी स्थानीय राजनेता के करीबी थे। यह जगह जिला मुख्यालय से भी इतनी दूर थी कि अगर कोई अफसर दौरा करने के लिए आता भी तो प्राचार्य के पास पहले से ही सूचना पहुँच जाती थी और वह स्थिति सामान्य होने का दिखावा करने के लिए संस्था खोल लेता था। प्राचार्य ने यह भी सुनिश्चित किया कि छात्र संगठन जाति के आधार पर विभाजित रहें, उनके बीच इस मुद्दे पर असहमति बनी रहे और एकता कायम न हो सके वहीं उनकी जाति वाले समूह के छात्रों को परीक्षाओं सहित मुफ्त में उत्तीर्ण होने का फ़ायदा मिले, जो कि एक बड़े भ्रष्टाचार की साजिश का इशारा करता था।हमारे देश में किसी शैक्षणिक संस्था या किसी भी संस्था के लिए आधारभूत मानदंडों का घोर उल्लंघन असामान्य बात नहीं है। इस मामले में आधारभूत मानदंड यह था कि एक संस्था जिसका एक शैक्षिक और सामाजिक उद्देश्य है और उससे जुड़े लोगों को इन उद्देश्यों के लिए कार्य करना चाहिए।

अधिकांश संस्थानों में इस मानदंड से विचलित होने का कारण या तो मानवीय कमजोरियां या जानबूझकर किया कदाचार होता है लेकिन एक सीमा के भीतर। और यह सीमा मूलभूत मानदंडों के उल्लंघन से शुरू होती है लेकिन मानदंड को मिटाया नहीं जा सकता। सभी आधारभूत मानदंडों का पूरी तरह से उल्लंघन तभी संभव है जब संस्था को किसी अन्य उद्देश्य के लिए पूरी तरह से अपने कब्जे में ले लिया जाए और यह केवल तभी संभव है जब नेतृत्व इसके लिए व्यवस्थित तौर पर प्रयास करे। नेतृत्व से सारा फर्क पड़ता है। जिन दो शिक्षा संस्थानों में मैं गया, उनके मूलभूत मानदंडों के बीच के सूक्ष्म अंतर को बनाए रखने का काम उनके नेतृत्व द्वारा ही झलकता था। ध्यान में रखने योग्य बात यह थी कि भले ही यह अंतर मामूली प्रतीत होता हो लेकिन यह नेतृत्व की प्रतिबद्धता और उनके काम करने के हर पहलू में खुलकर महसूस होता था। दूसरी तरफ जिस बंद संस्था का मैंने दौरा किया था वह नेतृत्व द्वारा ढीठ होकर मूलभूत मानदंडों को तोड़ने का प्रदर्शन था। हमारे संस्थानों में अक्सर नेतृत्व द्वारा इस तरह की व्यवस्थित और जानबूझकर चालाकी से की जाने वाली उलटफेर न केवल शिक्षा क्षेत्र में बल्कि अन्यत्र क्षेत्रों में भी की जाती है। हमारे देश की इस उलझी हुई वास्तविकता में साहसिक सार्वजनिक सतर्कता के अलावा भी इस तरह की परिघटना से बचने के उपाय हैं।

अंग्रेजी अखबार मिंट में प्रकाशित आलेख से अनुदित

राजनीति

प्रदीप मिश्र

लेखक जम्मू-कश्मीर में पत्रकार रह चुके हैं।

सरकार के सरोकार, स्वरूप और समझौतों से संशय

नए जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद विधानसभा की 90 सीटों पर चुनावी गतिविधियां चरम पर हैं। अपनों की सरकार बनाने के लिए जम्मू के प्रवेश द्वार लखनपुर से कश्मीर के कंगन तक का अवाम उत्साहित है। नई सरकार में सुरक्षा, स्थिरता, समान विकास और समरसता ज्यादातर मतदाताओं का सपना है। सियासी दल इससे दबाव में हैं। सोच को साकार करने और सरोकार पूरा करने के लिए समीकरण साधे जा रहे हैं। सीमाएं समझते हुए संभावनाओं के हिसाब से कई खुले और गुप्त समझौते हो चुके हैं। एक ही विचारधारा के संगठनों में सहमति बन रही है। बावजूद इसके घोषित-अघोषित गठबंधन अपने-अपने हित में बहुमत की सरकार चाहते हैं। फिर भी नई सरकार के स्वरूप, केंद्र से समन्वय, संतुलन, स्थिरता और स्थानीय स्तर की स्वायत्तता को लेकर संशय हैं। संकल्पों, गारंटियों और घोषणाओं को पूरा करने के लिए सीमित संसाधन जहां सावधान करते हुए आने वाले दौर की समस्याओं का इशारा कर रहे हैं, वहीं पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने से समाप्त पूर्ण राज्य के दर्जे की वापसी के केंद्र सरकार के आश्वासन पर क्रियान्वयन के सही समय का सवाल भी सहज और स्वाभाविक है।

भाजपा ने संकल्प के रूप में 25 सरोकार बताए हैं। इनमें पांच लाख नौकरियां, विद्यार्थियों को लैपटॉप, यात्रा के लिए तीन हजार रुपये और कोचिंग के लिए 10 हजार रुपये देने के अलावा मेडिकल कॉलेजों में एक हजार सीटें बढ़ाने का मंतव्य बेरोजगारी की समस्या पर ध्यान खींचता है। साथ ही मुफ्त पानी और बिजली के अलावा गरीबों को पांच मरला (125 गज) जमीन मुफ्त देने के अलावा किसानों को 10 हजार रुपये देने का वादा भी लुभावना है। वादों की आड़ में बड़े-बड़े दावे भी किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) पर दावा मजबूत किया गया है। यहां भुलाने की कोशिश की गई कि 22 फरवरी 1994 को पीवी नरसिंहराव की सरकार में संसद में पीओके को भारत का अभिन्न अंग बनाने का सर्वसम्मत संकल्प पारित किया गया था, जिसे 30 साल हो चुके हैं। इसी क्रम में जम्मू से कश्मीर का सफर 14 घंटे से चार घंटे में बताया जा रहा है। तथ्य यह कि सड़क मार्ग से जम्मू से श्रीनगर पहुंचने में पहले आठ घंटे लगते थे। अब यह यात्रा लगभग पांच घंटे में पूरी हो रही है।

इंडिया गठबंधन के घटक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का चुनाव पूर्व गठबंधन है। दोनों के क्रमशः 51 और 32 उम्मीदवार मैदान में हैं। नेकां के घोषणापत्र में अनुच्छेद 370 और 35 की बहाली के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराने समेत 12 गारंटियां हैं। राजनीतिक कैदियों की रिहाई, जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) निरस्त करने, छह महीन में एक लाख नौकरियां देने और भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत की पहल करने की बात कही गई है। महत्वपूर्ण बात यह भी कि यदि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। जानना जरूरी है कि अनुच्छेद 370 हटाने से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने भी राज्य का दर्जा छीनने पर सवाल उठाए थे। शीर्ष अदालत ने ही 30 सितंबर तक चुनाव कराने का निर्देश दिया था। कांग्रेस की गारंटियों में पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना तो है ही, एक लाख खाली सरकारी पद भरने, हर नागरिक का 25 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के अलावा कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की योजना को आगे बढ़ाने का वादा है। 2014 के बाद भाजपा के साथ सरकार बना चुकी पीडीपी ने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, पानी पर टैक्स खत्म करने, गरीबों को रसोई गैस के 12 सिलेंडर देने की घोषणा की है।

जाहिर है कि नई सरकारों के लिए अपने वादों को अमली जामा पहनाने के लिए बड़ी धनराशि की जरूरत होगी। केंद्र शासित प्रदेश के संसाधन सीमित हैं। जम्मू-कश्मीर में आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के सरकार के दावे के उलट यहां देनदारियां बढ़ी हैं। संसद द्वारा स्वीकृत 2024-2025 के बजट में बताया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियां 2019-2020 में 83,573 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 1,12,797 करोड़ रुपये हो गई हैं।2020-2021 में देनदारियां 92,953 करोड़ रुपये थीं, जो 2021-2022 में 1,01,462 करोड़ रुपये और 2022-2023 में 1,12,797 करोड़ रुपये तक पहुंच गईं। हालांकि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा प्रदेश के कर्ज मुक्त होने का दावा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कर्ज और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के बीच उचित अनुपात बना हुआ है। दूसरी ओर जानकार मानते हैं कि नई सरकार बनने के बाद होने वाले खर्च से सरकारी खजाने पर अचानक बोझ बढ़ेगा और आमदनी के साधन इसी तरह से नहीं बढ़ाए जा सकेंगे, क्योंकि लोकप्रियता के लिए सरकारें कर्ज लेने से परहेज नहीं करतीं हैं।

नई सरकार के स्वरूप के राजनीतिक के अलावा सांविधानिक कारण भी हैं। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन कानून के अनुसार विधानसभा की 90 सीटों पर सीधा चुनाव होगा। पांच विधायकों का मनोनयन उपराज्यपाल करेंगे। दो सीटें कश्मीरी विस्थापितों और एक सीट पीओजेके विस्थापित के लिए आरक्षित है। कश्मीरी विस्थापितों में एक सीट महिला के लिए आरक्षित रहेगी। इसके अतिरिक्त सदन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं होने पर दो और सीटों पर महिलाओं को मनोनीत किया जाएगा। मुख्य संशय दिल्ली और पुडुचेरी मॉडल को लेकर है। दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं। मनोनयन नहीं होता। पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव जबकि तीन सदस्य मनोनीत होते हैं। केंद्र शासित प्रदेशों में प्रशासन का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 239 में है। 239ए के अनुसार विधानमंडल सर्वोच्च है। सदन उपराज्यपाल से ऊपर है। हालांकि मद्रास उच्च न्यायालय व्यवस्था दे चुका है कि एलजी सदन में पारित विधेयकों को रोक सकते हैं। दिल्ली में 239एए के प्रावधान लागू होते हैं। दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में सरकार के लिए वित्तीय मामलों, टैक्स लगाने, छूट देने, बदलने बगैरह में उपराज्यपाल की सहमति आवश्यक होती है। जुलाई में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुनर्गठन कानून की धारा 55 में संशोधित नियमों को अधिसूचित किया था। इसमें उप राज्यपाल को विस्तारित शक्तियां देने वाली नई धाराएं जोड़ी गई हैं। इसके बाद राजनीतिक हल्कों में अटकलें लगीं कि पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने में देर लगेगी।

यही नहीं, सुप्रीम कोर्ट से जमानत पाने वाले बारामुला के निर्दलीय सांसद इंजीनियर रशीद ने अपनी अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) और प्रतिबंधित होने के कारण निर्दलीय चुनाव लड़ रही जमात-ए-इस्लामी के साथ तालमेल कर लिया है। पहले चरण की 24 सीटों पर मतदान के ठीक पहले हुए इस समझौते को नए समीकरणों का संकेत माना जा रहा है। राष्ट्रवादी इसे संदेह की दृष्टि से देख रहे हैं। चुनाव के पहले रशीद की रिहाई केंद्र सरकार से उनके सहयोग के भरोसे का नतीजा माना जा रहा है। नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी को अपने प्रभाव क्षेत्र वाले इलाकों में मात देने की नीयत से चाल चली गई है। एआईपी कश्मीर घाटी की 35 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। लोकसभा चुनाव में रशीद ने 18 में से 14 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल की थी। अनजान सी पार्टी के इतनी सीटों पर उम्मीदवार उतारने से आश्चर्य है। कहा जा रहा है कि 2014 में पीडीपी की तरह ही 2024 में एआईपी-जमात गठबंधन से भाजपा का चुनाव पश्चात समझौता संभव है। घाटी की 47 में से 28 सीटों को खाली छोड़कर भाजपा ने इस संभावना के सशक्त होने का संदेश दिया है। अल्पमत से बचने और बहुमत की सरकार बनाने के लिए भाजपा 62 सीटों पर लड़ कर 50 सीटें जीतने पर जोर लगा रही है।

'लागी नाहीं छूटे राम' यानी दाग

कटाक्ष

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बरसात का मौसम आते ही हमें लीक की चिंता सताने लगती है। गर्मी और कड़ाके की ठंड आराम बीत जाती है, लेकिन मानसून की दस्तक की धमक हमारे कलेजे में धमका करती है। क्योंकि हमारे घर की क्षत लीक करती है। यह हमारी पुरानी कब्ज से भी बड़ी बीमारी है। हमने लीक बंद करने का अथक प्रयास किया लेकिन लीक है कि बंद होती ही नहीं। लीक की समस्या से जूझने वालों की संख्या बढ़ती आबादी की तरह है। इस समस्या से पीड़ित लोगों की एक जैसी पीड़ा है। लीक को रोकने के लिए सब अपना -अपना अनुभव एक दूसरे से शेयर करते हैं। लेकिन उसका फायदा किसी को कुछ होता नहीं दिखता है। बस एक दूसरे की लीक कथा सुनकर लोग अपनी व्यथा पर मरहम लगाते हैं। वैसे भी बारिश का मौसम है बारिश में लीक की समस्या कुछ अधिक बढ़ जाती है।

हमारे देश में लीक की बीमारी महामारी का रूप ले रहीं है। लीक को रोकने के लिए सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर सामूहिक प्रयास जारी हैं बावजूद लीक का मामला लीकबाजों की वजह से बढ़ता जा रहा है। घर की छत से शुरू हुई लीक की समस्या अब सार्वभौमिक और सामाजिक हो चली है। हमारे यहाँ लीक की समस्या अब मौसमी नहीं सदाबहारी यानी बारहमासा हो चली है। कभी किसी के घर की छत में लीक है तो किसी की पानी की टंकी में लीक है। किसी की पाईप में लीक तो किसी की दिवाल से पानी की लीक। कहीं दस्तावेज लीक हो रहे हैं तो कहीं गोपनीयता लीक हो रहीं है।

फिलहाल लीक थमने का नाम नहीं ले रहीं है। अब देखिए, कहीं घोटाले लीक हो रहे हैं तो कहीं घपले। कहीं दिल में लीक है तो कहीं दल में। कहीं बात लीक हो रहीं तो कहीं व्यवहार लीक हो रहा। पूरा का पूरा सिस्टम ही लीक है। आजकल गर्मी और हिटबेव बढ़ने की वजह भी आसमान में लीक यानी छेद होना बताया जाता है। अब एक नई समस्या पैदा हो गईं है पेपर यानी परीक्षा लीक की। अटक से लेकर कटक और कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक लीक ही लीक है। लिहाजा हालात कुछ ऐसे बिगड़े हैं कि पूछिए न कोई लीक की समस्या कम करना चाहता है तो कोई लीक को मेनहोल बनाने पर तुला है। जिसकी वजह से लीक की समस्या बढ़ती जा रहीं है।

हमारे यहाँ कभी वह दौर भी था जब बड़े -बड़े घपले और घोटाले लीक होते थे, अब वह दौर थोड़ा कम हुआ है लेकिन लीक का काम एकदम बंद नहीं हुआ है। एक दौर वह भी था जब छत से अधिक सरकारी आफिस की फ़ाइल लीक होती थीं, लेकिन जबसे डिजिटल जमाना आया है तब से लीक की घटनाओं पर थोड़ा रोक लगी है। हालांकि अब वायरल का दौर चल पड़ा है। अब इंटरनेट के युग में लीक से अधिक वायरल की समस्या बढ़ गई है। अब बदले दौर में छोटी सी लीक की घटना अब बड़ा वायरल बन जा रहीं है। वैसे भी लीक का डिजिटल संस्करण वायरल है। अब देखिए, पेपर लीक को लेकर पूरा देश परेशान है।

व्यवस्था में और संस्थाओं में बढ़ती लीक की समस्या से लोगों के ख्वाब और दिल टूट रहे हैं। रोजी -रोटी के साथ शादी में शाहजादी लाने के सपने भी लीक हो रहे हैं। अब पढ़ाकू युवाओं की झोली में आसमान से टपकी लीक की समस्या उनकी सोच, साहस और धौर्य के बांध में सुराक यानी लीक करने में लगी है। वैसे भी हमारे यहाँ परीक्षा और लीक का चोली -दामन का साथ है। ऐसा लगता जैसे दोनों लैला -मजनू और हीर -रांझा हैं। दोनों के बीच अटूट प्रेम में हैं। एक दूसरे के बैगर दोनों रह नहीं सकते हैं।

वैसे यह समस्या ठीक कुछ ऐसी है जैसे विवाह मंडप में दूल्हा -दुल्हन सात फेरे लेने के लिए तैयार खड़े हों और दुल्हन अचनाक मंडप से गुपचुप प्रेमी के साथ भाग जाय। हमारे यहाँ हाल सालों में कोई ऐसी परीक्षा ही नहीं हुई जो बिना लीक के हुई। अब लीक, परीक्षा और बेरोजगारों के बीच ट्रेंगल लव का कारिडोर बन गया है। वैसे भी हमारे भोजपुरी में एक पुरानी कहावत 'लागी नाहीं छूटे राम' यानी लीक (दाग) कभी एक बार लग जाय तो वह छूटता नहीं है। लाख जतन के बाद भी पेपर लीक हो जाता है। कुछ वैसा ही हाल प्रेम, परीक्षा और प्यार का है। फिलहाल चिंता करने की कोई बात नहीं है। क्योंकि मनीषयों ने कहा है कि चिंता हमें चिता की तरफ ले जाती है इसलिए चिंता छोड़कर इस बात पर चिंतन किया जाय कि लीक अब लॉक यानी बंद कैसे होगी।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

यशवंत गोरे

(व्यंग्यकार एवं लेखक)

मौसमी बिमारियों की तरह है सड़कों के गड्ढे

हमारे यहां किसी भी विषय की चर्चा तब होती है, जब वह या तो पहली बार होती है या बार-बार। मीडिया वाले टीवी हो या अखबार उसे सबसे पहले लपकने की कोशिश करते हैं। कुछ विषय ऐसे हैं जो हर साल चर्चा में रहकर अखबारों और टीवी की खबरों की सुर्खियां बने रहते हैं। हर मौसम के हिसाब से खबरें बनती रहती हैं। गर्मियों में लू से मरने वाले, सर्दियों में ठंड के प्रकोप से, बारिश के मौसम में बाढ़ और पहाड़ों की खिसकने की घटनाएं हो। बदलते मौसम अनुसार अखबारों और टीवी में कवरेज होती है। चुनाव के पहले नेताओं के एक दल से दूसरे दल में जाने की घटनाएं भी मौसमी घटनाएं हैं। प्रकृति ने तो तीन मौसम निर्धारित किए हैं। परंतु राजनीति में नेताओं का भी दल बदल का एक मौसम होता है। लू की चपेट से गर्म प्रदेशों में, ठंड से मरने वाले ठंडे प्रदेशों में, पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन से मौतों की खबर आती है। दलबदल का मौसम हर चुनाव के पूर्व आता है और दल से किसी भी कोने में आ सकता है और कभी भी आ सकता है। चुनाव के पहले दल बदलने वाले नेताओं को 'मौसम वैज्ञानिक' भी कहा जाता है। ऐसे लोग अपने अनुभव और महत्वाकांक्षा के आधार पर यह अनुमान लगा लेते हैं कि किस पार्टी के साथ रहने से सत्ता का सुख मिल सकता है। जैसे कभी-कभी मौसम विशेषज्ञों की भविष्यवाणी गलत साबित होती है, वैसे कुछ ऐसे नेता भी सत्ता के सुख से वंचित हो जाते हैं। सरकार जिस प्रकार मौसम के प्रकोप से लोगों को सुरक्षित रखने के उपाय करती है। राजनीति में भी दल-बदल के प्रकोप से बचने के लिए 'एक देश एक चुनाव' की परियोजना पर सरकार काम कर रही है। बारिश के दौरान सड़कों पर गड्ढे यह एक ऐसा विषय है जिस पर हम बरसों से चर्चा कर रहे हैं। सेकंड के हिसाब से विज्ञापन की दर तय करने वाले टीवी चैनल और छोटे से कालम में विज्ञापन छपवाने के हजारों रुपए लेने वाले अखबार, हर साल सड़कों के गड्ढों पर 40-40 मिनट की रिपोर्ट अपने चैनल पर चलाते हैं और अखबार तथा आधा-आधा पेज केवल गड्ढों के फोटो छापकर जाया करते हैं, परंतु उसका कोई असर होता दिखता नहीं है। अखबारों में हर साल एक जैसे गड्ढों के फोटो देखकर कई बार यह भ्रम हो जाता है कि यह फोटो तो पिछले साल भी अखबारों में पत्रों में देखा था। जिम्मेदारों के बयान भी कि 'बारिश खत्म होते ही गड्ढे भर दिए जाएंगे' हर साल सुनने को मिलते हैं। सड़कों के गड्ढे देखकर यह एक बात तो हम दावे से कह सकते हैं कि यहां पहले सड़कें थीं। इसमें सरकार को दोष क्यों दिया जाए सरकार तो अपना काम कर रही है। प्रकृति विपक्ष की तरह उनका सहयोग और साथ नहीं दे, तो सरकार का क्या दोष। सरकार तो चाहती है कि लोग अच्छी सड़कों पर चलें। तेज गति से वाहन चलाएं। प्रगति के लिए तेज चलना आवश्यक है। तेज गति से चलेंगे तो ही देश आगे बढ़ेगा। तेज चलने से कभी-कभी दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं। सड़कों पर दुर्घटनाएं कम हो इसके लिए भी जिम्मेदार महकमा अपनी जिम्मेदारी और प्रयास जारी रखता है। कहीं भी खड़े होकर बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहनों और बिना सीट बेल्ट लगाए कार चालकों के चालान बनाता रहता है। सड़कों पर गड्ढों का ज्यादा होना ही तेज गति से वाहन चलाने वालों के रोकने का सबसे बड़ा अच्छा उपाय है वे स्पीड ब्रेकर का काम करते हैं। ठेकेदारों से अपेक्षित समझौता किया जाता है कि सड़कें ऐसी बनाई जाए कि पहली बारिश में ही गड्ढे हो जाना चाहिए। हमारे देश की सड़कों की चर्चा विदेशों में भी होती है, ऐसा बताया जाता है कि अमेरिका से ज्यादा मध्यप्रदेश की सड़कें ज्यादा अच्छी है। मध्यप्रदेश की जनता ने कुछ वर्षों पहले रात के अंधेरे में इन्हीं गड्ढों में सरकार गिरा दी थी।

वैसे सड़कों पर गड्ढों का होना देश में रोजगार पैदा करने और आत्मनिर्भर बनाने के साथ अर्थव्यवस्था में भी बड़ा योगदान है। जैसे शराब का सेवन स्वास्थ्य के हानिकारक है, परन्तु देश की अर्थव्यवस्था के उसका बड़ा योगदान है, वैसे ही सड़कों के गड्ढे भले ही उस पर चलने वाले लोगों के स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक हो परन्तु उनकी भी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका है। गड्ढे अधिक होंगे तो उस पर चलने वाले वाहन अधिक खराब होंगे, अगर वाहन खराब नहीं होंगे तो बेचारे मैकेनिकों की रोटी-रोजी कैसे चलेगी। वाहन जल्दी खराब नहीं होंगे तो वाहन बनाने वाली कंपनियों का उत्पादन कैसे बढ़ेगा। बैंकों को वाहन लोन लेने वालों के लिए मार्केटिंग नहीं करनी पड़ती। हड्डी स्पेशलिस्टों की संख्या एवं ट्रामा सेंटरों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है और खूब फल-फूल रहे है। बढ़ेदिनों बाद समझ में आया कि ज्यादातर हड्डी रोग विशेषज्ञों के अस्पताल या ट्रामा सेंटर सड़कों के किनारे ही क्यों होते है, इसे कहते हैं मार्केटिंग स्ट्रेटजी। ठंड शुरू होते ही जैसे गर्म कपड़ों, च्यवनप्राश, ठंड से बचने वाले फेस क्रीम, गीजर। गर्मी शुरू होते ही कूलर, एसी, पंखों एवं तथा बारिश के पहले छातों, रेनकोट, दिवाली से पहले रंगो पेन्ट के विज्ञापनों की भरमार शुरू हो जाती है। बारिश खत्म होते ही टायरों के विज्ञापनों की संख्या भी अचानक बढ़ जाती है फिजियोथैरेपिस्ट की मांग अचानक बढ़ गई है, उनके यहां इलाज के लिए नंबर लगाने पड़ते हैं। इंश्योरेंस क्लेम दिलवाने वाले वकील तो अखबारों में सबसे पहले दुर्घटनाओं की खबरों को पढ़ते हैं और वह मुवक्किल से सम्पर्क कर इन्सुरेंस क्लेम दिलाने का भरोसा दिलाते हैं। सड़कों पर गड्ढे होना बरसात के बाद होने वाली उन मौसमी बीमारियों की तरह है जो हर साल बारिश के बाद होती हैं। मलेरिया, डेंगू, आंखों की बीमारी कंजेक्टिवाइटिस जैसी बीमारियां से ठीक होने के लिए दवा का पूरा डोज लेना जरूरी होता है वैसे ही गड्ढों में मिट्टी-गिट्टी डालकर एक सप्ताह का डोज देकर ठीक कर ही दिया जाता है। सड़कों के गड्ढों पर साहित्यकारों और कवियों को भी सृजन का विषय मिल जाता है। कुछ कवि तो सड़कों के गड्ढों की तुलना चांद की सतह पर दिखने वाले गड्ढों से करते हैं, जैसे नील आर्मस्ट्रांग के साथ वे चांद की यात्रा पर गए हों। आखिर सड़कों के गड्ढों से इतनी नफरत क्यों? किसी के गाल पर पड़े गड्ढों को देखकर तो उसकी सुंदरता की तारीफ की जाती है।

दृष्टिकोण

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्तंभकार हैं।

पोटली का पराठा ब्यूरोक्रेसी को बड़ा संदेश!

कहने को तो सरकार ने कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। जनता से जुड़े अधिकारियों के मोबाइल नंबर तक सार्वजनिक हैं। लेकिन यह कितने उठते और सार्थक हैं सब जानते हैं। शासन-प्रशासन में जनता-जनार्दन को सुनने और निराकरण करने वालों को इन्द्रमणि त्रिपाठी से प्रेरणा लेना चाहिए। काश, यह घटनाक्रम एक नजीर के रूप में ब्यूरोक्रेसी की ट्रेनिंग में शामिल होता तो कितना अच्छा होता। बहरहाल अनजाने-अनचाहे ही सही, आईएएस त्रिपाठी के इस मर्मस्पर्शी व्यव्हार की प्रशंसा तो बनती है।

कभी-कभी बहुत मामूली सी बातें न केवल हर कहीं चर्चा का विषय बन जाती हैं बल्कि इतनी भावुक और प्रभावी कर जाती हैं कि पूछिए मत। लेकिन जब मामला विनम्रता, सहजता और गरीब की पोटली में बंधे पराठे खुलवा कर एक टुकड़ा खाने का हो तो दिल को छू ही जाएगी। उसमें भी यदि जिला कलेक्टर और फरियादी का हो तो हर कहीं उदाहरण और चर्चा का विषय बनेगा ही। ऐसा ही एक वाकया उत्तर प्रदेश के औरेया जिले का है जो पूरे देश में सुर्खियां बटोर रहा है। जहां अपने रुतबे और ठसक के लिए आईएएस-आईपीएस पहचाने जाते हैं वहीं औरेया कलेक्टर इन्द्रमणि त्रिपाठी की इससे विपरीत भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। हो भी क्यों न उनके दफ्तर में डरा-सहमा सा एक ग्रामीण मजदूर अपनी फरियाद लेकर बहुत दूर से आया। दफ्तर में घुसते ही वहां का माहौल उसे असहज कर, घबरा रहा था। लेकिन तुरंत कलेक्टर इन्द्रमणि त्रिपाठी ने उसकी मनोदशा भांपी, पूछा कि घर वापस पहुंचने में देर हो जाएगी तो रास्ते में भूख का क्या इंतजाम है? भोले-भाले मजदूर ने हाथ में रखे झोले से पोटली निकाल डरते-डरते दिखाते हुए कहा कि उसकी पत्नी ने कुछ परांठे बांध दिए हैं। इतना सुनते हुए त्रिपाठी ने कहा कि मैं तुम्हारा काम तभी करूंगा जब तुम मुझे अपना परांठा खिलाओगे! यह सुनते ही मैले-कुचैले कपड़े पहना फरियादी असमंजस में पड़ गया और बहुत हिम्मत कर बोला मैं तो छोटा आदमी हूं, आप कहां मेरे पराठे खाएंगे? कलेक्टर त्रिपाठी ने तपाक से कहा कि छोटा-बड़ा कुछ नहीं, पराठा खिलाओगे तभी काम करूंगा। फरियादी ने बड़ी ही झिझक से शर्माते हुए घर से लाई पोटली में बंधे हुए पराठों को कलेक्टर के सामने खोला और दे दिया। उसमें से एक टुकड़ा लेकर कलेक्टर ने खाना शुरू कर दिया। यह देख उनके साथ बैठे सभी मातहत भी अवाक और हक्का-बक्का रह गए। बाद में फरियादी के घर पर जिला प्रशासन की टीम पहुंची। वहां पता चला कि उसके बड़े भाई लकवाग्रस्त हैं। उनके इलाज के लिए पैसे नहीं हैं। इसलिए वह अपने हिस्से की जमीन बेचकर भाई का इलाज कराना चाहता है। जमीन बेचने की बात पर तीन भाइयों में विवाद है। प्रशासनिक अमले ने तीनों को साथ बिठाकर बात कराई। भाई के इलाज के लिए सरकारी मदद की प्रक्रिया भी शुरू कर दी और सभी के आपसी गिले-शिकवे दूर हो गए। फरियादी समस्या के समाधान से ज्यादा इसलिए बेहद खुश और भावुक था कि इतने बड़े अधिकारी ने इतना आत्मीय व्यव्हार कर उसके परांठे खाए।

यकीनन यह घटना कल्पना से परे है। ऐसे नजारे देश में गिने-चुने ही हुए होंगे। जिला, संभाग, तहसील तथा हर सरकारी दफ्तर के अधिकारी सरकार के प्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं। लगभग हर कहीं एक तय दिन पर जन सुनवाई, जनता दर्शन जैसे विभिन्न नामों से सरकार की ओर से दरबार लगते हैं। दूर दराज से ज्यादातर ग्रामीण व ऐसे लोग जिनकी कोई राजनीतिक पकड़ या जुगाड़ नहीं होती, सीधे अधिकारियों के पास पहुंचते हैं। लेकिन एक बड़ी हकीकत यह भी कि कितने मामले निराकृत होते हैं या लोगों को संतुष्ट करते हैं, सब जानते हैं। कई जगह तो ठीक से फरियाद तक नहीं सुने जाने की सच्चाई भी सामने आती है। अधिकतर अधिकारी निराकरण के नाम पर महज खाना पूर्ति करते हैं। सीएम हेल्पलाइन जैसी सुविधा भी कुछ राज्यों में है। फोन पर आम जनों से शिकायत लेकर पंजीकरण होता है। जिसे संबंधित जिले, फिर विभाग को भेजा जाता है। अमूमन शिकायतों को ब्यूरोक्रेसी में बेवजह का बवाल तक समझने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कुछ अन्य राज्यों में तो सीएम हेल्प लाइन या डेस्क की शिकायतें को बंद कराने के लिए अधिकारियों का दुर्व्यव्हार यहां तक फोन पर धमकाने के भी ऑडियो खूब वायरल हुए। कई जगह बरगला कर झूठे आश्वासन देकर शिकायतें बंद कर दी गईं और जनसाधारण की समस्या वही ढ़ाक के तीन पात जैसी रह गई।

यह सही है कि अधिकारी जनसाधारण के वाजिब काम और समस्याओं को सुनने और उनका निराकरण करने के लिए होते हैं। लेकिन देश में भ्रष्टाचार का दीमक इस कदर हर विभाग में जड़ें जमाए हुए है कि लोगों को अपने काम के लिए बिना लेन-देन सफलता नहीं मिलती। भ्रष्टाचार एक रिवाज बन चुका है। देश में ब्यूरोक्रेसी पूरी तरह से हॉवी है। लोग अपने-अपने काम के लिए दफ्तरों के चक्कर पर चक्कर लगाते हैं और रोजाना भटकते हैं, वहां यह एक मिशाल है। क्या यह रवैया पूरे देश में नहीं हो सकता? अवैध चढ़ोत्री के दम पर कई लोगों के हकों पर डाका डालने से लेकर नौकरी से लेकर फर्जी दस्तावेजों, विकलांगता के झूठे प्रमाण-पत्रों से सुपात्रों के हक छीनने और झूठी जानकारी के चलते जन्म तारीख और जाति बदल कर ऐन-केन-प्रकारेण ऊंची नौकरी तक हथियाने की सच्चाई सामने आ चुकी है। पूजा खेडकर का ताजा मामला सामने है। ऐसे में लोग न्याय के लिए किसके पास जाएं? किससे उम्मीद करें?

कहने को तो सरकार ने कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। जनता से जुड़े अधिकारियों के मोबाइल नंबर तक सार्वजनिक हैं। लेकिन यह कितने उठते और सार्थक हैं सब जानते हैं। शासन-प्रशासन में जनता-जनार्दन को सुनने और निराकरण करने वालों को इन्द्रमणि त्रिपाठी से प्रेरणा लेना चाहिए। काश, यह घटनाक्रम एक नजीर के रूप में ब्यूरोक्रेसी की ट्रेनिंग में शामिल होता तो कितना अच्छा होता। बहरहाल अनजाने-अनचाहे ही सही, आईएएस त्रिपाठी के

संस्कार

अमितराव पवार

मृत्युभोज-आवश्यक या अनावश्यक !

ईश्वर ने मनुष्य,जीव-जंतु,पशु-पक्षी, जानवर,किट-पतंगे इत्यादि को मिलाकर सृष्टि बनाई है।इस संसार का यह कटुसत्य है,कि जिन्होंने मृत्युलोक अथवा धरती पर जन्म लिया उन्हें एक निश्चित समयावधि के उपरांत अपनी देह त्यागनी ही पड़ती।सनातन धर्म में जन्म के साथ 16 संस्कारो के करने कराने का विधान है। यह मनुष्य योनि में ही संभव होता दिखाई देता।प्रचलित 16 संस्कारों के क्रम में गर्भाधान पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म,नामकरण,निष्क्रमण,अन्नप्राशन,चूड़ाकर्म,विद्यारंभ,कर्णवेध,यज्ञोपवीत,वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन, विवाह तथा अन्त्येष्टि ही मान्य है। हमारे धर्म शास्त्र में प्रमुख रूप से 16 संस्कारों की व्याख्या ही की गई है। पूर्व के प्राचीन समय यह संख्या अधिक मानी जाती थी,इसका प्रमाण गौतम स्मृति में उल्लेखित है। जबकि व्यास स्मृति में 16 संस्कारों का ही वर्णन हुआ है।16 वे संस्कार अथवा अंत्येष्टि से ही लगा हुआ,13 दिनों के कार्यो का उल्लेख भी सनातन धर्म में मिलता है। प्रथम दिन दाह संस्कार,तीसरे दिन राख-हड्डियों का संचय कर पवित्र नदी या जमीन में गाढ़कर उसके ऊपर पौधा लगाकर पेड़ बनने तक सम्बंधित परिवार के द्वारा देखभाल करना। 10,11,12वें दिन शुद्धिकरण और 13वें दिन सात्विक भोज का कार्यक्रम करना। क्यों निभाई जाती है भोज की परंपरा क्या कारण है,कि देश के कई भागों में अनेक समाज, व्यक्तियों द्वारा सामूहिक तौर पर 13वीं या मृत्यु भोज के इस भोज का विरोध किया जा रहा है। जबकि यह सदियों से चली आ रही सनातन परंपरा का एक हिस्सा है। यह बात हमें समझना होगी। वर्तमान में इस भोज को मृत्यु भोज कहा जाता है,परंतु यह श्राद्धन्न है,जिसका अर्थ,श्रद्धा से किया व कराया गया अन्न।

गरुड़ पुराण के अनुसार-जब किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तब यम के दूत आत्मा को यमलोक ले जाते और उसे वहां वो सब दिखाया जाता है,जो उसने अपने जीवनकाल में कर्म किये। इस दौरान आत्मा लगभग 24 घंटे या एक दिन तक यमलोक में ही रहती है। इसके बाद यमदूत इसे परिजनों के बीच छोड़ जाते और मृतक की आत्मा अपने परिवार वालों के आस-पास ही भटकती रहती है। क्योंकि उसमें इतनी ताकत नहीं होती कि मृत्यु लोक (धरती)से यमलोक की यात्रा कर सकें।परिवार के लोग मृतक की आत्मशांति के लिए नियमित रूप से पिंडदान करते हैं।मृत्यु के बाद 10 दिनों तक जो पिंडदान किए जाते हैं,उससे मृत आत्मा के विभिन्न अंगों का निर्माण होता है। 11वें व 12वें दिन के पिंडदान से शरीर पर मांस व त्वचा का निर्माण होता है।13वें दिन तेरहवीं की जाती।तब मृतक के नाम से जो पिंडदान किया जाता,उससे ही वो यमलोक की यात्रा तय करते है। पिंडदान से आत्मा को बल मिलता तथा वो अपने पैरों पर चलकर मृत्युलोक से यमलोक तक यात्रा संपन्न करती है। यह यात्रा एक वर्ष के करीब पूर्ण मानी जाती है। यह सब क्रिया विद्वान कर्मकांडी ब्राम्हण द्वारा हमारे ग्रन्थोनुसार दी गई प्रकिया से ही मंत्रोच्चारण के साथ की जाती है।जिसका अपना एक प्रभाव होता है।क्योंकि पूजन के दौरान भूल चुक,लेन देन के परिणाम का असर सम्बंधित ब्राम्हण पर भी होता है। इसी के साथ पहले दिन से लेकर 13 दिनों तक अलग-अलग परिजन, आस-पड़ौस पहचान के लोग, दोस्त,रिश्तेदार मृतक परिवार में इसलिए आते-जाते कि व्यक्ति अकेला होकर डिप्रेशन में न चला जाये उसे हिम्मत और सांत्वना देने का यह क्रम जारी रखा जाता। जिससे कि वो इस दु:ख से जल्द से जल्द उभरकर अपने आगे के जीवन की जिम्मेदारी का निर्वाह कर सके। यह सामाजिक व्यवस्था हमारे पूर्वजों के समय से चली आ रही है। 13 वीं के दिन बड़ा आयोजन कर पूरे गांव-समाज को भोजन के लिए आमंत्रित करना मृत्युभोज कहलाता है।इसे गंगाजल, न्यात,मोसर,गंगा प्रसादी,श्राद्धन्न भी कहा जाता है। इस सम्बद्ध में 100 से अधिक व्यक्तियों का भोजन मृत्यु भोज की गिनती में आता है। जबकि शास्त्र सम्मत तो यह भी बताया व कहा कि कोई व्यक्ति सामर्थ्यवान नहीं है,तो उसे संध्या पूजन करने वाले 13 ब्राह्मणों एवं नजदीक के रिश्तेदारों एवं निर्धन को भोजन पर आमंत्रित कर यथाशक्ति, दानपुण्य से इस दिन के कार्य को संपन्न कराया जा सकता है। साथ ही गौघास,श्वान,कवै का भाग भी निकाल कर उन्हें देना चाहिए।

मृत व्यक्ति के प्रति सम्मान की कमी भी मृत्यु भोज के अवसर पर दिखाई पड़ती है। दु:ख के समय अकसर इस भोज में लोग भोजन का आनंद लेते दिखाई देते है,जो मृत व्यक्ति के प्रति सम्मान की कमी को दर्शाता है।मृत्यु भोज एक पारंपरिक प्रथा है,लेकिन इसका अर्थ यह नहीं,कि हमें इसे बिना सोचे-समझे अनुसरण करना चाहिए। बल्कि हमें मृत व्यक्ति के प्रति सम्मान और श्रद्धा के भाव रखना चाहिए।13 वीं के कार्यक्रम में हमारे सामने दो तरह की स्थिति देखने मे आती है। 'पहली' वो जो सामर्थवान एवं संपन्न है।उनके द्वारा आजकल मृत्यु भोज बड़े रूप में किया जाने लगा है।और ये अपने पितरों के लिए करना भी चाहिए उनके आशीर्वाद से ही हम इस काबिल बने कि लक्करी कारों,लाखो रुपयों का मोबाइल एवं अन्य सुख-सुविधा का आनंद ले रहे।यह बात पूर्ण उम्र प्राप्त कर चुके मृतक व्यक्ति के लिए लागू होती। साथ ही वे जीवित व्यक्ति की सेवा भी करे आजकल देखने मे आता है,कि जीवित मनुष्य की ओर कोई ध्यान नही देता मरने के बाद दिखावा एवं भव्य भोज लोगों के लिए करते है,जबकि कही-कही पर तो स्थिति विकराल है।जीवित मनुष्य को परिवार के लोग पानी तक नही पूजते या समय आने पर वर्द्धाश्रम भी छोड़ देते है।जो हिन्दू धर्म के अनुसार पाप है। हिन्दू धर्म ही ऐसा है जो अपने संगे-संबंधियों के लिए पितृपक्ष में पूर्वजों को जल एवं अन्य सामग्री अर्पण करते जिससे उन्हें सदगति प्राप्त हो सके।'दूसरी बात',सामने दिखाई पड़ती वो यह कि जो व्यक्ति-परिवार 13 वीं के कार्यक्रम सामूहिक भोज के लिए सक्षम नही है वो क्या करे। असमर्थ व्यक्ति भगवान सूर्य के समक्ष उपस्थित होकर सम्पूर्ण तन,मन,आत्मा से अपनी आँखों के आंसू की कुछ बूंदे बहाकर अपने कर्म के प्रति कृतज्ञतापूर्ण भाव से नमन कर सकता है।इससे भी मृत्यत्मा को शांति मिल सकती है। परंतु यह बात बिल्कुल तब लागू होती है। जब मनुष्य असहाय हो चुका उसके पास करने के लिए कुछ भी सामर्थ ना बचा हो।

मृत्यु भोज अब दिखावा ज्यादा होकर रह गया। जिसका सामर्थ न हो वे भी समाज व लोगों की बातों में आकर कर्ज लेकर,जमीन,गहने गिरवे या बेचकर इस दिन को संपन्न करता दिखाई देता,जो की वर्जित है।हमारे शास्त्र-पुराणों एवं धर्मग्रंथ में यह बात बिल्कुल मान्य नही,कि आप सामर्थ से अधिक खर्च करे।किंतु एक बात यह स्पष्ट है,कि यदि कोई संपन्न व्यक्ति,और वह स्वेच्छा से अपने पूर्वजों की स्मृति में भव्य भोज करें तो उसमें कोई दोषारोपण नहीं है। लेकिन कर्ज या समाज की पाबंदी में यह कार्य करें तो शायद गलत और मृत्यत्मा को इससे शांति भी ना मिल पाए। किंतु हिंदू परंपरा वैज्ञानिक दृष्टि से,वैदिक दृष्टि से, प्राचीन सनातनी धर्म को आधार मानते हुए किसी भी बात के लिए बाध्य नहीं करती। कुछ परंपराएं समय,काल ,परिस्थितियों के आधार पर जन्म लेती है।और समयानुसार खत्म भी हो जाती है। मृत्यु भोज की परंपरा भी पूर्व समय मे सादगी के साथ हुआ करती थी। पर वर्तमान में इसका स्वरूप काफी बदल गया है।जिससे कि अनेक जगहों पर समाज व लोगों में इसका विरोध दिखाई देता हैं।

इस कार्य का विरोध न हो इसलिए अपने मूल स्वरुप,यथाविधि और सामर्थनुसार इसे करना उचित होगा। जिससे की आर्थिक परेशानी,कष्टों से परिवार बच सके। महाभारत में एक प्रसंग आता है,- जब भगवान श्री कृष्ण कुरुक्षेत्र के युद्ध को रोकने के लिए अंतिम समय दु:खी मन से दुर्योधन के पास गए(क्योंकि उन्हें युद्ध का परिणाम पता था।) तब लौटते समय दुर्योधन ने उनसे भोजन ग्रहण करने का आग्रह किया।भगवान ने उत्तर दिया भोजन तब ही ग्रहण करना चाहिए जब खिलाने वाले और खाने वाले का मन प्रसन्न हो।दुखी होकर भोजन करने और कराने से शरीर की ऊर्जा खत्म ओर बुद्धि भ्रष्ट होती है।अत: भोजन का उद्देश्य जैसा भी हो(भंडारा, लंगर, प्रतिभोज, स्नेहभोज ,डिनरपार्टी, मृत्युभोज,जन्मदिनभोज इत्यादि) प्रसन्न मन से करना व कराना चाहिए।

सामाजिक प्रकृति और आरक्षण की सच्चाई

मुद्दा

डॉ. सुरेश प्रसाद अहिरवार

जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व छात्र रहे हैं ।

इस अरहतों (भरहतों) के देश भारत में विभिन्न विचारधारायें समय-समय पर उत्पन्न हुई हैं । यह विकास की प्रक्रिया अवगत करा रही हैं कि वैश्विक सामाजिक न्याय और नैतिकता के पक्ष में खड़ी पुरातन विचारधारा नागों की 'गणव्यवस्था' ही हैं । 'नाग' का पाली भाषा में अर्थ 'सभ्य मानव' होता है जिस पर पर गर्व किया जा सकता हैं । इसके केंद्र में गण की समता, स्वतंत्रता, अहिंसा, मैत्री और करुणा का भाव रहा है । लेकिन वर्तमान में भारत भूमि विचारधाराओं के मामलों में अजावघर बन चुकी हैं जिसे यह भारत भूमि की खूबसूरती कहा जाता हैं लेकिन इस खुबसूरत चरित्र को विश्व में अन्य धार्मिक विचारधाराओं ने प्रशय नहीं दिया,जहाँ वे सबल रहे हैं । यह वैचारिक विविधता गण-व्यवस्था के कारण ही संभव हो सकी है । ऐसा दुनियां में कोई दूसरा उदाहरण नहीं हैं । बुद्ध के संघ में कौन शामिल नहीं हुआ? बड़े-बड़े प्रकांड वैदिक ब्राह्मण, जैन गृहपति,अछूतों आदि को भी बुद्ध संघ ने दीक्षा दी हैं । क्या इस तथ्यों को नकारा जा सकता हैं? हमने प्राचीन काल से लेकर भारत भूमि को एक-दूसरे धार्मिक मतों से सीखा और सींचा है । भारत एक राष्ट्र के तौर कमजोर होता गया जैसे ही सतानन नाग सामाजिक प्रकृति और सभ्यता का रूप धूमिल होता गया ।इसके बाबजूद भी यहाँ नागरिकों ने आपसी सामाजिक सुख-दुख को साँझा किया है । एक राष्ट्र के लिए भारतत्व का होना जरुरी है । इसके बगैर भारत की राष्ट्र के तौर पर कल्पना भी नहीं की जा सकती हैं ।

जो भी सामाजिक समूह भारत भूमि के बाहर आये हैं वे गण विरोधी, धम्म विरोधी और संघ विरोधी रहे हैं । उन सामाजिक समूहों में स्वतंत्रता, समानता और न्याय के विरोधी लक्षण देखने को मिलते हैं । नागों को गण व्यवस्था में विशिष्टता और विविधता के उत्पन्न होने कारण जात व्यवस्था की उत्पत्ति हुई है जो कालांतर में गण-व्यवस्था के मूल से ही विचलित होती गई । इसके विपरीत वैदिक विचार में देवों और राक्षसों के संघर्ष अनायास नहीं है बल्कि परवर्ती वैदिक साहित्य में सुद्रों के कान में वेद के अक्षर पहुंचने पर सीसा पिघलाकर डालने की बात अनायास ही उत्पन्न नहीं गई थी जिसके भुलाने में ही हम सब की भलाई हैं । जो वेद नहीं पढ़ते थे और यग्य नहीं करते थे । उन्हें ब्राह्मण गर्न्थों में 'सूद्र' कहा गया हैं अर्थात ब्राह्मण, क्षत्रीय और वैश्य वर्ण को छोड़कर सारें लोग 'सूद्र' हैं । यह सूद्र समाज वेदों को नहीं पढता था और उन्हें मान्यता भी नहीं देता था और 'ब्राह्मण' उनका जनेऊ संस्कार भी नहीं करते थे । यह वैदिक साहित्य का सच है कि सूद्र और कोई नहीं बल्कि नागों के परवर्ती संताने ही सूद्र घोषित की गई हैं । सूद्रों को वैदिक ज्ञान की आवश्यकता ही नहीं रही हो क्योकिं उनकी अपनी सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक जीवन शैली प्रचलन में रही हो । उनकी सभी जरुरते आजीवक, चार्वार्क, बुद्ध, जैन, आदिवासीय धार्मिक मत कर रहे थे । आज तो वर्तमान में स्वं सूद्र जातियों में पौराणिक धार्मिक गियान पाने और ब्राह्मण कथावाचकों में भी सूद्रों को वैदिक कथा/ज्ञान देने की होड़ लगी हैं अतःसूद्रों और ब्राह्मणों का वर्तमान का अंतर्सम्बन्ध हिन्दू के नाम पर हो गया है जिसे समाजविज्ञान में गणीय और वर्णीय व्यवस्था का गठजोड़ कहा जा सकता है ।क्या सच में इसे विपरीत सांस्कृतिक-ऐतिहासिक चमत्कार कहा जाने चाहिए । पूरें हिन्दू समाज की संरचना का यह अवैदिक सामाजिक समूह नब्बे प्रतिशत सूद्र समाज ही हैं जो करीब 6 हजार से अधिक जातियों का झुण्ड हैं जिसे अब होमोजिनियस नहीं माना जा रहा हैं । इसी कारण सार्वजानिक हिन्दू मंदिरों के पुजारियों में अभी भी सूद्र पुजारियों की सामाजिक स्वीकृति नहीं हो पाई है । सूद्र जातियों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वह ब्राह्मण मत/वेद मत के अनुयायी होने बाद भी वे पुजारी और धार्मिक नेता नहीं बन सकते हैं । वर्तमान में भारतीय समाज में प्राकृत/ पाली भाषा, साहित्य और प्रकृति से विचलन, संस्कृत भाषा के ब्रह्मणीकरण के अभियान से सूद्र जातियों अपना मूल अस्तित्व खो रही हैं । जब देश स्वतंत्र हो रहा था तब भारतीय संविधान में इस सूद्र वर्ग को अनुसूचित जाति , जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के रूप में मामूली सी संवैधानिक रियायतों प्रदान की गई थी । नागरिकों के साथ समानता का व्यवहार हो, किसी भी आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित किया गया है । यहाँ तक कि लोक्तान्त्रन्तिक संस्थाओं में समान प्रतिनिधित्व और भागीदारी को भी सुनिश्चित किया गया है जिसे आरक्षण कहा गया । भारतीय संविधान सभा ने किसी भी प्रकार की असमानता को स्वीकार नहीं है और समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के विचार को आगे रखकर समाज को आगें बढाने का कार्य किया गया हैं । यही राष्ट्र का सशक्त बीजारोपण हैं ।भारतीय संविधान एक सामाजिक विजन का दस्तावेज भी है । क्या कारण है कि भारतीय समाज में समता, सहयोग और विकास के अवसरों में प्रतिनिधित्व और भागीदार का विरोध किया जा रहा है । भारतीय संविधान के माध्यम से जब मंडल कमीशन के रिपोर्ट को 7 अगस्त 1990 में लागू करने की बात आई तो पूरा सवर्ण समाज (वैदिकसमूह) , अन्य पिछड़े वर्ग (अवैदिक समूह) के आरक्षण का विरोध कर रहा था । क्या इस ऐतिहासिक घटना को नजरअंदाज किया जा सकता है? यह विरोध वैदिक और अवैदिक सांस्कृतिक-सामाजिक समूहों के बीच संघर्ष था । जबकि सवर्ण समाज को अन्य पिछड़े वर्ग के 27 त्न आरक्षण को स्वीकार कर लागू करवाना में भूमिका निभानी थी । वैदिक सामाजिक समूह समान भागीदारी और प्रतिनिधित्व के विरोध में खडा होकर, अपनी सांस्कृतिक पहचान को कायम रखते आये हैं । उसी प्रकार अनुसूचित जाति, जनजाति के आरक्षण को भी इन पूरे 75 सालों में पूर्णता से लागू नहीं किया है । इसके लिए लोकतान्त्रिक संस्थायों में बैठे सवर्ण समाज के लोगों की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती हैं? कभी उम्मीदवार उपलब्ध नहीं है तो कभी योग्य उम्मीदार नहीं आदि का बहाना बनाकर आरक्षित बेकलाग की लाखों पोस्ट खाली पड़ी हैं और उन पोस्टों को भरना न पड़े अतः1990 के दशक के बाद निजीकरण की नीति को अपनाकर सामाजिक प्रतिनिधित्व को कमजोर करने का प्रयास तत्कालीन पी ।वी । नरसिम्हा राव की सरकार से शुरू हुआ और जो वर्तमान तक जारी हैं । क्या देश में 90 त्न आबादी को लोकतान्त्रिक अधिकारों से वंचित करके, उनके प्रतिनिधित्व को नकार करके विकसित राष्ट्र की कल्पना की जा सकती हैं? भारतीय समाज में आपसी सम्मान, आपसी समझ, आपसी विश्वास, आपसी समायोजन और आपसी उपलब्धियों के विचार को आगे रखकर सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलने की आवश्यकता हैं । सामाजिक आधार को नकार कर, आर्थिक आधार पर आरक्षण के बटवारें पर क्या सामाजिक लठेती की जड़ें गाडी जा रही हैं ताकि यह वर्ग (अवैदिक वर्ग) आपस में ही झगडा करता रहे, निश्चित तौर पर समाज के पिछले पायदान पर छूट रहे सामाजिक समूहों को प्राथमिकता में रखने की आवश्कता हैं लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि कमजोर समूहों का हिस्सा, अन्य कमजोर सामाजिक समूहों ने हड़प लिया हैं । जबकी इसके विपरीत सबका हिस्सा सवर्ण मजबूत सामाजिक समूहों ने हड़प लिया है । यह उल्लेखनीय है कि आर्थिक आधार पर सवर्ण आरक्षण 10 त्न लागू किया है । इस कोटे में सूद्र समाज (अनुसुचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग) का प्रवेश निषेध किया गया हैं । क्या इन सात दशकों में सवर्ण समाज ने उन्नति न करके अवनति की है जिसे आरक्षण की जरुरत पड़ गई है? जिसे बगैर किसी सामाजिक अनुसंधान/कमीशन रिपोर्ट के कानून बना दिया गया । क्या इससे तत्कालीन चुने हुए सांसद प्रतिनिधियों की राष्ट्र के प्रति घोर अनैतिकता प्रकट नहीं होती हैं? और माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कोई सवाल तक नहीं पूंछा? यह तथ्य 'असंवैधानिक दादागिरी' के रूप में इतिहास में दर्ज हो गया है । दूसरी ओर जो सूद्र समाज ने सत्तर वर्षों में इतनी उन्नति करली है । उसमें क्रीम्लेयर पैदा होने की बात कही जानी लगी । सवर्ण समाज और अन्य पिछड़े वर्ग के बीच गरीबी का पैमाना अलग-अलग हो गया हैं । यह नीतिगत भ्रष्टाचार अलोकतांत्रिक होने के लक्षण है । जातिगत जनगणना से वैज्ञानिक तथात्मक आकंड़ों एकत्रित कर यह पता लगाने में आसानी होगी कि कौनसा सामाजिक समूह मुख्यधारा से छूट रहा हैं । दलगत वर्णवादी, राजनीति और जातिवादी मानसिकता से ऊपर उठकर राष्ट्र को दिशा देने का कार्य किया जाना चाहिए अतः सवर्ण और अवर्ण हिन्दुओं को जहाँ पारस्परिक सम्मान, पारस्परिक समझौता और सामाजिक न्याय के साथ बढ़ने की आवश्यकता हैं । वर्णवादी सांस्कृतिक-वैचारिक द्वेषता पैदा करने वाले विचारों को त्यागना होगा । सूदों (शूद्र) और गैर-शूद्रों के अधिकारों को निष्पक्ष रूप से देखने की जरुरत हैं । उन्हें एक-दूसरें के प्रतिद्वंदी न होकर सामाजिक प्रतिनिधित्व और साझेदार बनने की आवश्यकता हैं । शूद्रों/अवर्ण हिन्दुओं (अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग) को पीछे धकेलने का कोई भी षड्यन्त्र लोकतान्त्रिक भारत की राह में अवरोधक सिद्ध होगा । भारत के नागरिक तभी अपनी विरासत को पुनः गौरान्वित कर सकते हैं । जब वे वर्णवादी असमानता की विचारधारा को तिलांजलि देकर, मानवीय अधिकारों, समानता, स्वतन्त्रता, सामाजिक न्याय और बंधुत्व को स्वीकार करके आगें बढ़ेंगें और कोई दूसरा कारण नहीं हो सकता है ।

बैतूल में ईद मिलादुन्नबी का जश्न

मुस्लिम समाज ने निकाले जुलूस, लंगर, नात ख्वानी के आयोजन हुए

बैतूल । शहर के मुस्लिम समुदाय द्वारा सोमवार को पैगंबर हजरत मोहम्मद का जन्मदिन ईद ए मिलाद उन नबी मनाया गया। मुस्लिम समुदाय द्वारा जगह-जगह जुलूस निकाले गए और मस्जिद में पहुंचकर इबादत की गई। जानकारी के मुताबिक बैतूल शहर के रामनगर क्षेत्र से मुस्लिम समाज द्वारा एक जुलूस निकाला गया। यह जुलूस गर्ग कॉलोनी से बैतूल गंज होते हुए कोठी बाजार पहुंचा, जहां जामा मस्जिद में एकत्रित होकर सभी ने अमन चैन के लिए इबादत की, नमाज अदा की । गौरतलब है कि मुस्लिम समाज के लिए यह दिन खास होता है जिस दिन जहां भी मुस्लिम समाज रहते हैं वे सब इस दिन जुलूस निकालते हैं और हजरत मोहम्मद पैगाम साहब के बताए रास्ते पर चलने के लिए विशेष ध्यान दिए जाते हैं। बताया गया कि सोमवार 16 सितंबर को रामनगर गर्ग कॉलोनी से निकाले गए जुलूस का बैतूल नगर में जगह-जगह स्वागत हुआ। भाजपा विजय भवन के पास अनीम और जमील भाई ने जुलूस में शामिल लोगों को शरबत पिलाकर स्वागत सत्कार किया गया । इसी तरह जय प्रकाश चौक पर रफीक भाई के नेतृत्व में उनके साथियों ने ईद ए मिलाद उन नबी पर निकाले गए जुलूस का स्वागत किया गया। यह जानकारी देते हुए पत्रकार सिल्लू भाईजान ने बताया कि इसी तरह शहर के अन्य क्षेत्रों से भी मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा इस अवसर पर जुलूस निकाले और समाज के लोगों द्वारा जगह-जगह भंडारे, लंगर, नात ख्वानी का आयोजन किया गया। जामा मस्जिद के पास अंजुमन इस्लामिया कमेटी द्वारा सभी धर्म गुरुओं का स्वागत सम्मान किया गया। वहीं मुस्लिम समाज ने जामा मस्जिद में पहुंचकर नमाज अदा की ।

माचना नदी की सुंदरता को बचाने व घाट बनाने केंद्रीय मंत्री और विधायक को सौंपा ज्ञापन

बैतूल/ शाहपुर । सोमवार को शाहपुर नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 12 मंगल पांडे वार्ड के नागरिकों ने केंद्रीय मंत्री और विधायक को ज्ञापन सौंपा हैं, माचना नदी वार्ड क्रमांक 12 से होती हुई बहती है। जिस नदी का कटाव बहुत अधिक हो रहा है। इसी संदर्भ में वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद कविता बारस्कर ,माचना समिति के अध्यक्ष कमल परसाई एवं भारतीय जनता पार्टी के शाहपुर मंडल के कोषाध्यक्ष रामू भैया अभय जैन एवं राठौर समाज के कमलेश राठौर एवं सभी के द्वारा माननीय केंद्रीय मंत्री सांसद डीडी उइके एवं विधायिका घोड़ाडोंगरी विधानसभा गंगा सज्जन सिंह उइके के को नदी के तट पर घाट बनाने एवं प्राचीन शिव मंदिर के कटाव को रोकने के लिए एवं वहां पर भी घाट बनाने के लिए सविनय आवेदन दिया गया ।एवं सभी नागरिकों के द्वारा माननीय विधायिका श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके जी से निवेदन किया गया है, कि जहां पर बरसों से आम ढाना वार्ड क्रमांक 12 के नागरिक निवास कर रहे हैं। और नदी का कटाव वार्ड क्रमांक 12 की ओर होते जा रहा है। इसलिए माचना नदी के कटाव को को रोकने के लिए एवं नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के लिए एवं कई धार्मिक पर्व जैसे भुजलिया पर्व हरतालिका पूजन, गणेश उत्सव, दुर्गा उत्सव, पवित्र कार्तिक माह स्नान, मां के जवारे आदि विसर्जन के लिए सभी महिला, बच्चो, पुरुषों को माचना नदी के पुल पार कर जाना पड़ता है ।एवं पुल पार करने में काफी सुविधा का सामना करना पड़ता है । एवं कई बार कई दुर्घटनाएं हो चुकी है। इसलिए माचना नदी के किनारे स्थित वार्ड क्रमांक 12 जिसे पूर्व में रामघाट का नाम दिया गया है। वहां पर सीढ़ी घाट का निर्माण कर उसे पूर्ण सुंदरता प्रदान कर, नागरिकों की जमीन कटाव रुकने से सभी को राहत मिलेगी । शाहपुर नगर के सभी नागरिकों के द्वारा अनुरोध किया गया है। शासन से की जल्द से जल्द सीढ़ी घाट का निर्माण किया जाए ।इसी संदर्भ में आवेदन सभी के द्वारा माननीय महोदय जी को दिया गया।

कोयलारी की वन भूमि पर किए गए अतिक्रमण को लेकर एसडीएम शाहपुर को सौंपा ज्ञापन

बैतूल/ शाहपुर। मंगलवार को शाहपुर विकासखंड के कछार पंचायत के अंतर्गत आने वाले गॉव कोयलारी के आरक्षित वन क्षेत्र में नर्मदापुरम से आए लोगों के द्वारा अनावश्यक रूप से अवैध रूप से अतिक्रमण कर वन भूमि पर कब्जा किया गया है।

इसी संदर्भ में कोयलारी ग्राम के नागरिकों के द्वारा आज 17 सितंबर को मंगलवार को तहसील कार्यालय शाहपुर पहुंचकर एसडीएम अभिजीत सिंह को ज्ञापन सौंपकर शिकायत की गई। कोयलारी ग्राम के नागरिक लखन मवासे एवं सरोज बामने का कहना है कि उनके द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण किए जाने के विरुद्ध कलेक्टर बैतूल, विधायक गंगा बाई उइके, अनुविभागीय अधिकारी शाहपुर एवं ग्राम पंचायत कछार के सरपंच को भी ज्ञापन सौंपा गया है। सभी माननीय महोदय को वस्तु स्थिति से अवगत कराया गया है। उनके द्वारा बताया गया कि वन उपज पर ही उनकी जीविका निर्भर करती है एवं इसी वन उपज पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है। सभी माननीय महोदय से उनके द्वारा अनुरोध किया गया है कि जल्द से जल्द से अतिक्रमण को हटाया जाए एवं उन्हें उनकी वन भूमि वापस की जाए। अनु विभागीय अधिकारी शाहपुर अभिजीत सिंह के द्वारा उन्हें आश्वासन दिया गया है कि जल्द ही वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करके उनके समस्या का निराकरण किया जाएगा।

पौधे लगाएंगे भी और पालेंगे भी..

विश्वकर्मा जयंती और सेवा पखवाड़े पर नित्या सेवा समिति ने आईटीआई में लगाए पौधे

बैतूल। पौधे लगाना तो आसान है पर इन लगाए पौधों को पालना कठिन है..लेकिन इसी कठिन अभियान को बखूबी निभाया है ..नित्या सेवा समिति बैतूल ने। इस समिति की पहल पर जिले में इस वर्षाकाल में करीब 500 पौधे लगाए गए हैं जिनमें से 90 फीसदी सुरक्षित हैं। यह कहना है समिति के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी बलरामजी जसूजा का।

सेवा के लिए समर्पित श्री जसूजा ने यह बात आज मंगलवार को आईटीआई बैतूल में आयोजित कार्यक्रम में कही। विश्वकर्मा जयंती और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर आरंभ हुए सेवा पखवाड़े के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन समिति के संरक्षक और बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल के मार्गदर्शन में किया गया था। इस अवसर पर विशेष अतिथि और समिति से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी सुनील व्दिवेदी ने समिति के पौधारोपण कार्यों की प्रशंसा की और आईटीआई के छात्र-छात्राओं को उनके कैरियर आदि के लिए मोटिवेशन स्पीच दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी श्रीमती वंदना कुंभारे ने पर्यावरण के बारे में बताने के साथ बालिकाओं को अपना नंबर देकर उनकी हर परेशानी में साथ देने का आश्वासन दिया। संस्था के प्राचार्य केशव सातपुते ने सभी का आभार माना और संस्था के कार्यों आदि का परिचय दिया। इस अवसर पर समिति के हरीश गढेकर, दीपक पाल, राजेश चौहान, विनीत महतो, दिनेश मानकर, तूलिका पचौरी, ज्योति यदुवंशी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने मिलकर एक दर्जन पौधे लगाए।

नन्हें श्रेयांश का पर्यावरण प्रेम

आईटीआई में पौधारोपण कार्यक्रम में पहुंचे 7 साल के नन्हें श्रेयांश संजय द्विवेदी ने सभी को बताया कि यदि हम आज पौधों की सेवा करते हैं तो पौधे फिर जीवन भर हमारी सेवा करते हैं। श्रेयांश ने बरगद-पीपल और नीम को ज्यादा लगाने की अपील भी की और कारण भी बताया कि ये तीनों पौधे ज्यादा ऑक्सीजन देते हैं। श्रेयांस ने भी पौधे लगाए, मिट्टी डालने और पानी देने का भी कार्य पूरी गंभीरता से किया। 6 साल के बालक का यह पर्यावरण प्रेम आकर्षण का केन्द्र रहा और सभी ने इसकी सराहना की।

638 से भी अधिक प्रतिमाओं का हुआ बुकाखेड़ी बांध में विसर्जन

अपने साधनों से भी पहुंचे लोग

बैतूल/मुलताई । पवित्र नगरी मुलताई में घर घर में विराजे

पार्वती नंदन गजानन गणेश का विसर्जन हो गया। बुकाखेड़ी बांध में बीते 2 दिनों में 638 से अधिक प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिसमें उल्लेखनीय पहलू यह है की लोग स्वयं अपने साधनों से बड़ी संख्या में प्रतिमाओं को लेकर बुकाखेड़ी बांध पहुंचे। हालांकि नगर पालिका ने ताप्ती तट से प्रतिमाओं को बुकाखेड़ी बांध तक ले जाने की व्यवस्था कर रखी थी जिसके माध्यम से लगभग 48 प्रतिमाएं बांध तक पहुंचाई गई।जहां पूरे विधि विधान के साथ विघ्नहर्ता गणेश का विसर्जन किया गया। नगर पालिका ने ताप्ती तट लाइब्रेरी पर कार्यालय बनाकर प्रतिमाओं को जमा करने की व्यवस्था कर रखी थी जहां से 5 ट्रैक्टरों के माध्यम से नगरपालिका के साधनों से भी प्रतिमाएं बांध तक पहुंचाई गई ऐसी प्रतिमाओं की संख्या लगभग 48 थी। ताप्ती जल को प्रदूषण से बचाने की मंशा से 10 वर्ष पूर्व बुकाखेड़ी बांध में प्रतिभाओं का विसर्जन प्रारंभ किया गया था तब इसको लेकर अनेक शंकाएं थी किंतु नागरिकों के सहयोग से अब विसर्जन स्थल पर अलग ही धार्मिक माहौल होता है। एक साथ कतार में प्रतिमाओं की होती आरती, शंख की ध्वनि और लगते जय कारे, अलग ही वातावरण में ले जाते हैं। नगर पालिका ने इस वर्ष जहां ताप्ती तट पर लगभग 12 कर्मचारी तैनात कर रखे थे वहीं बुकाखेड़ी बांध पर 10 गोताखोर क्रेन की व्यवस्था लाइटिंग व्यवस्था के साथ ही नाव की व्यवस्था भी कर रखी थी।

सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम

विसर्जन स्थल बुकाखेड़ी बांध पर सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए है । पुलिस कर्मी दिनेश बर्डे एवं विशाल चौरसिया ने बताया कि लगभग 20 पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं जिसमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल है इसके साथ ही 10 कोटवार भी निरंतर सुरक्षा व्यवस्था निर्माण में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

विसर्जन में लगी है 10 गोताखोरों की टीम

मुलताई नगर पालिका कर्मचारी अर्जुन पिपले ने बताया कि बताया कि मूर्ति विसर्जन मे किसी को दिक्कत ना हो इसके व्यापक इंतजाम किए गए है सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नाविक की टीम लगाई गई है ।

इसके साथ ही दिन और रात मिलाकर 10-10 गोताखोरों की टीम लगाई गई है राजस्व और नगर पालिका के कुल 20 कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

पार्किंग व्यवस्था के साथ ही आरती स्टाल बनाए गए हैं। जहां जगह-जगह कर्मचारी तैनात है विसर्जन के दिशा निर्देश माइक से निरंतर लोगों को दिए जा रहे हैं। इसमें सभी के सहयोग से यह कार्य पूर्ण हो पाया है।

देश के हर कोने में स्वच्छता को बढ़ावा देना स्वच्छता ही सेवा अभियान का मुख्य उद्देश्य : केन्द्रीय मंत्री श्री उईके

खेड़ी सांवलीगढ़ से स्वच्छता ही सेवा अभियान का किया शुभारंभ

बैतूल । स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेस-2 अंतर्गत मंगलवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान-2024 का शुभारंभ ग्राम पंचायत खेड़ी सांवलीगढ़ में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके, विधायक हेमंत खंडेलवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत गृह प्रवेश एवं स्वीकृति पत्र का वितरण अतिथियों के द्वारा किया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान का महत्व :केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चलने वाला एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य देश के हर कोने में स्वच्छता को बढ़ावा देना है। इस अभियान के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने कहा कि स्वच्छता मिशन केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। इस अभियान का उद्देश्य देशभर को स्वच्छ और सुंदर बनाना है, और इसमें सभी को बढ़-चढक़र हिस्सा लेना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक :केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री उईके ने पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए

अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सभी लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। साथ ही स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वे अपने आस-पास की जगहों को साफ-सुथरा रखें और गंदगी न फैलाएं। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, जनप्रतिनिधि, स्वच्छता समूह की महिला सदस्य, ग्रामीण जन उपस्थित थे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ

स्वच्छता श्रमदान एवं जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

बैतूल। जिले में माय भारत के स्वयंसेवको एवं खुशियां युवा मंडल, स्वामी विवेकानंद युवा मंडल के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर राजा भोज अभिनंदन सरोवर की प्रतिमा के आस पास स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया। यह अभियान राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ सुखदेव डोंगरे, वीवीएम कॉलेज से डॉ.बीआर गायकवाड़, शिक्षा विभाग से डॉ.महेश गुंजेले खेल युवा कल्याण विभाग से राधेलाल वानखेडे, माय भारत बैतूल की ओर से धनंजय सिंह ठाकुर की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस मौके पर डॉ.बीआर गायकवाड़ ने कहा कि यह स्वच्छता एवं श्रमदान नियमित चलना चाहिए और इसमें सभी को सहयोग करना होगा। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि स्वच्छता के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। डॉ.महेश गुंजेले ने कहा कि हम सभी को स्वच्छता के साथ रहने एवं स्वच्छता को अपनी आदत बनाने का संकल्प लेना है। राधेलाल वानखेडे ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर स्वच्छता ही सेवा के पम्पलेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने श्रमदान कर सिंगल प्लास्टिक का संग्रहण किया। अंत में सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। धनंजय सिह ठाकुर विगत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस माह अभियान की संपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर शंकर राव कनाठे, सुशील उदयपुरे, इंद्रदेव कावडक़र, रेखा निनावे, चरणजीत सिंह, विद्या सरोदे, तरला उईके, अनिल माकोड़े, आरके उइके, शारदा पाटिल, ममता यादव, प्रीति पाल, शुभम गोचरे, वंदना शुक्ला सीता इंगले, हेमन्त विश्वकर्मा, तुषार यादव अंकित मोहकार सहित बड़ी संख्या में युवा मंडल के सदस्य मौजूद थे।

जिला अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का शुभारंभ

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मंगलवार को प्रदेश के 50 जिला चिकित्सालयों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का वर्चुअली शुभारंभ राज्यपाल मंगू भाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा किया गया। इसी तारतम्य में बैतूल जिला अस्पताल में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का शुभारंभ हुआ। लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके, विशेष अतिथि बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, विधायक आमला डॉ.योगेश पंडाग्रे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, जिला

पंचायत सदस्य राजा ठाकुर, भाजपा प्रदेश प्रतिनिधि संजय शुक्ला, नपा बैतूल उपाध्यक्ष महेश राठौर एवं पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष आनंद प्रजापति मौजूद थे। केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि समाज के गरीब वर्ग एवं सेवानिवृत्त लोगों को महंगी दवाइयां खरीदना न पड़े इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र प्रारंभ किए गए है। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि गरीब व्यक्ति बीमारी के समय कठिन दौर से गुजरता है, उसे पैसों की बहुत समस्या होती है। लेकिन अब महंगी दवाइयां खरीदना नहीं पड़ेगा। रेडक्रॉस सोसायटी के द्वारा प्रारंभ किए गए जन औषधि केन्द्र से सस्ते दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उन्हें उपलब्ध होगी।

प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र हर गरीब व्यक्ति के लिए एक सौगात :आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे ने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र हर गरीब व्यक्ति के लिए एक सौगात की तरह है, जिसे सस्ती और सुलभ दवाईयां इस केन्द्र के माध्यम से उपलब्ध होगी। इस अवसर पर कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उइके, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ.अशोक बारंगा, जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतम अधिकारी, रेडक्रॉस सोसायटी अध्यक्ष डॉ.अरुण जयसिंगपुरे, सचिव रेडक्रास सोसायटी, रेडक्रास सोसायटी के संजय शुक्ला, डॉ.एचएल कसेरा, उपाध्यक्ष रेडक्रास सोसायटी कृष्ण कुमार, समाजसेवी एवं अन्य जनप्रतिनिधि, समस्त चिकित्सकगण, स्वास्थ्य विभाग अधिकारी, कर्मचारी तथा आमजन उपस्थित थे।

पुरोहित बने जन परिषद के सह संयोजक

देवास ।अखिल भारतीय स्तर की सामाजिक संस्था जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी श्री एन के त्रिपाठी ने, जन परिषद के संयोजक रामजी श्रीवास्तव एवं महासचिव श्री अजय श्रीवास्तव नीलू की अनुशंसा पर जन परिषद के उज्जैन चैप्टर के संभागीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री जितेन्द्र पुरोहित को अध्यक्ष के साथ साथ , मालवा क्षेत्र के लिए जन परिषद का सह संयोजक मनोनीत किया है ।

ज्ञात रहे जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 35 वर्षों से सामाजिक एवम् रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवम् अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है।संस्था पर्यावरण पर दस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है । अगली कॉन्फ्रेंस इंडोनेशिया में होगी । संस्था के इस समय पूरे देश में 228 एवम् विदेशो में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवम् सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं।संस्था का मुख्य आधार मानवीय , सामाजिक एवम् राष्ट्रीय दृष्टिकोण है ।

श्री पुरोहित के मनोनयन पर देवास चेप्टर अध्यक्ष मोहन वर्मा सहित विभिन्न चेप्टर अध्यक्षो में अगर राजेश देसाई,रतलाम भुपेन्द्र सिंह मंदसोर डॉ घनश्याम बटवाल,खातेगांव प्रवीण गंगराड़े,कन्नौद अमित गुप्ता उदयनगर गोविन्द सिंह चौहान, कांटाफोड़ मनोज डाबी आदि ने बधाई दी और प्रदेश सयोजक रामजी श्रीवास्तव का आभार माना।

श्री शंभू दरबार में महाआरती में गणेशजी को लगाया 56 भोग

सुबह सवेरे सोहागपुर विख्यात ब्रह्मलीन गृहस्थ संत पंडित मनमोहन मुदगल की कर्मस्थली श्री शंभू दरबार पलाश परिसर में सिद्धिविनायक गणपति की महाआरती का आयोजन श्री शंभू दरबार के उत्तराधिकारी पंडित प्रकाश मुदगल के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर सिद्धिविनायक गणपति की विशेष असंख्य दीपों से पूजा-अर्चना की गई। असंख्य दीपों से कई गणमान्य नागरिकों ने भी गणपति बप्पा की आरती उतारी।इधर भारी संख्या उपस्थित मातृशक्ति ने अपने अपने घरों लाए दीपकों सेगणेश जी का पूजन किया । इसी क्रम में संगीतमय विभिन्न देवी देवताओं की आरती की गई। श्रद्धालु भक्तों से पूरा श्री शंभू दरबार खचा-खच भरा हुआ था। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, सरस्वती शिशु मंदिर के कोषाध्यक्ष संजीव दुबे, युवा समाजसेवी गोलू अग्रवाल सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। महाआरती के उपरांत श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

ईद मिलाद-उन-नबी पर भव्य जुलूस निकला, थाने की पीछे हुआ समापन पुलिस ने किया था माकूल इंतजाम

सुबह सवेरे सोहागपुर ।ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर पर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के उपलक्ष में भव्य जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में भारी संख्या में मुस्लिम के सजातीय बन्धु शामिल हुए।जुलूस का जगह जगह फूल मालाओं सहित प्रसाद वितरण करके स्वागत किया गया। त्योहार को लेकर बच्चों में भारी उत्साह था। नगर के समस्त मुस्लिम बहुल वार्डो से जुलूस प्रारंभ हुआ। जुलूस पुराने थाने के पीछे रानी लक्ष्मीबाई मंच पर दरूद फतिहा व सलातो सलाम के बाद जुलूस का समापन हुआ। इस अवसर पर कायमख्वानी मस्जिद के पेश इमाम मरगूब रजा साहब ने संदेश देते हुए कहा कि 'हमारा देश महान है' इसके साथ ही कहा कि 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तान हमारा'। इसके पूर्व मस्जिदों में मिलादुन्नबी की पूर्व संध्या पर तकरीर का आयोजन किया गया। जिसमें पैगंबर मोहम्मद साहब के जीवन पर प्रकाश डाला गया वह उनके सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। मस्जिदों के अलावा मोहल्लों को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया था।

लंगर का आयोजन

पैगंबरे इस्लाम की शिक्षा का पालन करते हुए जगह-जगह लंगर का आयोजन किया गया। मस्जिद, अंजुमन व अमन कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में गांधी वार्ड में लंगर किया गया। तो वहीं मंगलवार की रात्रि में हुसैनी लश्कर कमेटी द्वारा अंबेडकर वार्ड में भी आम लंगर तस्कीम किया गया।

शांतिपूर्ण हुआ संपन्न

ईद मिलाद-उन-नबी का पर्व भव्य रूप से मनाया जाता है इसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज जन मुख्य मार्गो से जुलूस निकलते हैं। इसी तारतम्य को लेकर पुलिस ने पूरे नगर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रखी। एसडीओ पुलिस संजू चौहान,नगर निरीक्षक कंचनसिंह, तहसीलदार अल्का एक्का सहित प्रशासनिक अधिकारियों सजगतापूर्वक व्यवस्था में लगे थे। मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष वसीम खान ने शांतिपूर्ण त्योहार संपन्नहोने पर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। उक्त आश्य की जानकारी आदाब ख़ान ने इस प्रतिनिधि को दी। इधर जूलूस के आगमन पर पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, शेख वहीद पार्षद जमील खान , पूर्व पार्षद हाजी अजीज खान, वकील कार्तिक शर्मा, अल्ताफ खान, सलीम खान आदि ने फलफ्रूट, मिष्ठान एवं कोल्ड ड्रिंक वितरित कर जुलूस का स्वागत किया गया।

स्वछता ही सेवा अभियान के तहत

भाजपा ने चलाया स्वच्छता अभियान एक पेड़ मां के नाम एवं मरीजों को वितरित किए फल

बैतूल/मुलताई – स्वछता ही सेवा अभियान नगर में अनेक सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें मुलताई नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर, नगर पालिका अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा मां ताप्ती परिक्रमा मार्ग पर श्रम दान किया एवं एक पेढ़ मां के नाम अभियान अंतर्गत मसोद रोड पर पौधरोपण किया गया साथ ही स्वछता ही सेवा अभियान के अवसर पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा PMAY 2.0 का शुभारंभ किया गया जिसका सीधा प्रसारण का कार्यक्रम नगर पालिका सभाकक्ष में आयोजित किया गया जिसमे अध्यक्ष, सभापति , पार्षद गण उपस्थित थे।

मरीजों की सेवा कर पोषण आहार की वितरण : आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन के अवसर पर मुलताई नगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मरीजों की सेवा कर उन्हे पोषण आहार वितरण किया। साथ ही भाजपा द्वारा चलाए जा रहे महा सदस्यता अभियान के तहत लोगो को भाजपा की सदस्यता भी दिलाई। पूर्व मंडल अध्यक्ष एवम भाजपा नेता हनी भार्गव ने बताया की देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है, लगातार विकास की राह पर अग्रसर है। मोदी जी द्वारा गरीबों के निशुल्क उपचार हेतु आयुष्मान योजना चलाई जा रही है, जिसका लाभ आम जन को मिल रहा है। पीएम आवास योजना हो या जन धन खाते या फिर उजव्वला योजना, इन सभी से देश के गरीबों को सहायता मिली और वे भी विकास की राह में जुड़ सके है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ, देवी सागर तालाब के सौंदर्यीकरण के कार्यों से हुआ

- **केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने स्वच्छता सेवा अभियान में किया श्रमदान**

धार । केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने मंगलवार को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत धार के प्रसिद्ध देवी सागर तालाब के परिसर में श्रमदान किया। उन्होंने कहा कि देवी सागर तालाब के सौंदर्यीकरण में कोई कमी नहीं आए , इसके लिए प्रोजेक्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि यहां पर कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना का बोर्ड लगाए और कार्यवाही करे। यहां पर लाइट की भी विशेष व्यवस्था की जाए।

17 सितम्बर- 24 से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरुआत धार के देवी सागर तालाब से हुई। इस अवसर पर नपाध्यक्ष नेहा महेश बोडाने, एडिशनल एसपी डॉ. इंद्रजीत बाकलवार, सीएमओ विकास डावर, स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर, स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान- 2024 , राजेश शर्मा ने अभियान में विशेष रूप से सहभागिता की। अभियान में नगर पालिका के पार्षदगण, अधिकारी - कर्मचारी, जनप्रतिनिधि सहित शहर के नागरिक गण उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि के रूप में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने स्वच्छता की शपथ दिलाई।

नगरपालिका के पास फंड और संसाधनों की कमी पर केंद्रीय राज्य मंत्री ने केंद्र से फंड दिलाने का भरोसा दिलाया....

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत धार के प्रसिद्ध देवी सागर तालाब के परिसर में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने तालाब के सौंदर्यीकरण में गहरी रूचि दिखाई। कार्यक्रम में स्वच्छता ही सेवा अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर, स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान- 2024 , राजेश शर्मा ने कहा कि 2024 में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में नंबर 1 पर आने के लिए धार तैयार है..। नगरपालिका अमला शहरवासियों के सहयोग से दृढ़ संकल्पित है शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर से ब्रांड एम्बेसेडर राजेश शर्मा ने नगरपालिका के पास फंड और संसाधनों की कमी पर ध्यान आकृष्ट कराया तो उन्होंने आश्वासन दिया कि नपा प्रोजेक्ट तैयार करे मैं केंद्र से धार को स्वच्छता अभियान में बेहतर कार्य करने के लिए फंड दिलवाउंगी।

पर्यूषण पर्व के अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी पर भगवान के किए अभिषेक

धार। दिगंबर जैन समाज के पर्यूषण पर्व के अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी पर भगवान के अभिषेक किए गए। इसके पूर्व नगर के प्रमुख मार्गों से एक चल समारोह भगवान की बेदी के साथ निकाला गया। प्रथम अभिषेक करने का लाभ भूपेंद्र कुमार विनय कुमार छाबड़ा को मिला। इसी क्रम में द्वितीय अभिषेक करने का लाभ विनय कुमार बाबूलाल छाबड़ा परिवार को मिला। अभिषेक करने के पूर्व महिलाओं ने भजन, अभिषेक संस्कृत पाठ का वाचन भी किया। तालियों की गड़गड़ाहट के साथ भगवान के प्रथम और द्वितीय कलश किए गए। अभिषेक विधि विद्वान पंडित ब्रह्मचारी पंकज भैया ने संपन्न कराई। प्रारंभ में समाज जनों का स्वागत समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने किया। आभार समाज सचिव संजय छाबड़ा ने माना।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लाइव प्रसारण सुना, ली स्वच्छता की शपथ, मुख्य बाजार में किया श्रमदान

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

स्वच्छता ही सेवा अभियान,शहरीय एवं ग्रामीण स्वच्छ भारत के तहत मंगल भवन में कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में इसी संदर्भ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आदि की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लाइव प्रसारण मंगल भवन में आयोजित किया गया।इस अवसर पर वरिष्ठ वकील चौधरी माधवसिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष जालम सिंह पटैल, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटैल, पूर्व प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राजो मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन, नगरपालिका अधिकारी राकेश मिश्रा, विजेन्द्र सिंह राजपूत, उपमंत्री रामगोपाल चौबे, संजय परसाई, अमित परसाई, संजय पचौरी , स्कूली छात्र, छात्राएं

पार्षदगण, नगरपालिका एवं विभिन्न कार्यालयों के कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इसी अवसर पर नगर पालिका अधिकारी राकेश मिश्रा ने उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। आव्हान किया गया कि हम अपने नगर में गंदगी नहीं करेंगे। स्वच्छता अभियान 2024 को सफल बनाएंगे। इसी क्रम में नगर के विभिन्न मार्गो पर रैली निकाल कर स्वच्छता का संदेश दिया। जिसमें स्कूली बच्चे शामिल थे।

वहीं मुख्य बाजार में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों , छात्र, छात्राओं एवं नगर परिषद के अधिकारियों कर्मचारियों ने श्रमदान करके सफाई अभियान में भाग लिया ।

विश्वकर्मा जयंती पर निकाली शोभायात्रा

सुबह सवेरे सोहागपुर

विश्वकर्मा जयंती पर विश्वकर्मा समाज के तत्वावधान में काली मंदिर प्रांगण से भगवान विश्वकर्मा प्रतिमा की झाकियां शोभायात्रा डीजे ढोल धमाकों के साथ निकाली गई।

शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गो से होकर मंगल भवन परिसर में समापन हुआ। इस अवसर पर मंगल भवन म नगरपालिका अधिकारी राकेश मिश्रा,जनप्रतिनिधियों एवं नगर पंचायत परिषद कर्मचारियों ने शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया । इसके उपरांत भगवान विश्वकर्मा की आरती सजातीय बन्धुओं ने की । इसी अवसर पर भंडारे का आयोजन भी किया गया। पार्षद आशीष विश्वकर्मा ने इस प्रतिनिधि को बताया कि विश्वकर्मा समाज एवं नवयुवक विश्वकर्मा संगठन के सानिध्य में उक्त आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें सामाजिक संगठन पदाधिकारी एवं युवा जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

दो दिनों तक चलती रही विशाल भजन प्रतियोगिता

- **126 सालों के इतिहास में पहली बार खेल-खिलौने की दुकानें पलकमती नदी पुल पर नहीं लगने दी**

सुबह सवेरे सोहागपुर

126साल से अधिक समय से चलने वाले डोल ग्यारस पूर्व पर हमेशा की तरह दूर दराज के आने वाले मध्य परिवार के दो जून की रोजी रोटी कमाने वाले पलकमती नदी पुल पर खेल खिलौने की दुकानें इस बार प्रशासन ने नहीं लगने दी। हालांकि प्रशासन ने पलकमती नदी के पार नर्मदापुरम जाने वाले रास्ते पर दुकानें लगवाई। इससे छोटे छोटे बच्चों के खेल खिलौने लेने के लिए पुल की दूसरी तरफ नागरिकों एवं महिलाओं की भीड़-भाड़ रही। इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर काफी कटाक्ष किए गए। कहा गया कि पिपरिया विधानसभा में नवरात्रि के समय रात आठ बजे के बाद वाहनों की आवा-जाही रोक दी जाती है।तब मात्र एक दिन के लिए सोहागपुर विधानसभा में प्रशासन को क्या परेशानी थी।यह दुहाई दी गई कि शांति समिति की बैठक में तय हुआ था। यदि तय करना था। तब लिस्ट के अनुसार सदस्यों को आमंत्रित करना चाहिए था। लेकिन इस बार कई कलमकारों तक को सूचना ही नहीं दी गई । शांति समिति में प्रत्येक सदस्य के मोबाइल नंबर अंकित हैं। फ्री जमाने में सूचना फोन पर देने से कोई अतिरिक्त व्यय नहीं होता। पूर्व में प्रशासन सूचना पर हस्ताक्षर करवाता था। ताकि कोई बैठक से छूट नहीं जाए। सोशल मीडिया पर यह भी लिखा गया कि शांति समिति की लिस्ट में संशोधन करके गणमान्य नागरिकों को शामिल करके शांति समिति को सशक्त बनाना चाहिए।

मिठाई बिक्री पर असर : खेल-खिलौने की दुकानें पलकमती नदी के पार लगने का असर यह रहा कि मुख्य बाजार मिठाई की दुकानों पर ग्राहकी नहीं के बराबर रही। होता यह था कि बच्चों के साथ आए अभिभावक थोड़ी बहुत मिठाई जरूर खरीदते थे।

भजन प्रतियोगिता दो दिन तक चली : रानी लक्ष्मीबाई मंच पर विशाल इनामी भजन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में करीबन 19 भजन मंडलियों ने धार्मिक एवं देश भक्ति से ओत-प्रोत भजनों की प्रस्तुति दी।

जिसमें सिंगोड़ी का मां वैष्णो मंडल प्रथम रहा। श्रद्धा मंडल भोपाल ने दूसरे स्थान पर रहा। शारदा मंडल एवं हीरा मंडल रडार तीसरे स्थान पर रहा। बजरंग मंडल साकिया एवं गोपाल मंडल भोपाल ने चौथा स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त समस्त मंडलों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। रानी लक्ष्मीबाई मंच पर डोल ग्यारस समिति अध्यक्ष राजेंद्रसिंह चौधरी, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, पूर्व नपाध्यक्ष अभिलाष सिंह चंदेल, समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल,विजय अग्रवाल, वकील मंगलसिंह रघुवंशी, राकेश चौधरी, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष आलोक जायसवाल,नीरज चौधरी,नगर कांग्रेस अध्यक्ष आलोक जायसवाल,पूर्व नपापाध्यक्ष महेश साहू आदि ने पुरूस्कार प्रदान किए।

समाज स्वच्छ और स्वस्थ हो इसके लिये फिटनेस क्लब होंगे शुरू:मंत्री श्री सारंग

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने बड़े तालाब की सफाई कर की स्वच्छता अभियान की शुरूआत

भोपाल (नप्र)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि समाज स्वच्छ, स्वस्थ और तन्दूरूस्त हो इसके लिये फिटनेस क्लब की शुरूआत की जायेगी। मंत्री श्री सारंग ने मंगलवार को वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी के पास बड़े तालाब की सफाई कर स्वच्छता का संकल्प अभियान की शुरूआत की। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बड़ा तालाब प्रकृति प्रदत्त उपहार है जो भोपाल की शान बढ़ाता है। यह तालाब खेल और पर्यटन के लिये भी उपयुक्त अवसर प्रदान कर रहा है। इसे स्वच्छ रखना हमारा कर्तव्य है।

विभागीय इन्फारस्ट्रक्चर में वृहद सफाई अभियान

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिवस पर पूरे प्रदेश और देश में स्वच्छता और सेवा पखवाड़े का शुभारंभ हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता चर्चा का विषय बना और समाज जागरूक हुआ। स्वच्छ समाज ही स्वस्थ हो सकता है, अधिकतर बीमारियाँ अस्वच्छता से होती हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म-दिवस से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म-दिवस तक स्वच्छता पखवाड़ा चलेगा। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने भी प्रदेश स्तरीय स्वस्च्छता अभियान की शुरूआत की है। खेल विभाग भी 15 दिन तक विभागीय इन्फ्रास्ट्रेक्चर स्टेडियम और ऑफिस में भी वृहद रूप से सफाई अभियान चलायेगा।

फिटनेस क्लबों की होगी शुरूआत: मंत्री श्री सारंग ने सेवा ही संकल्प अभियान की भी शुरूआत की। उन्होंने कहा कि इस अभियान के जरिये सेवा के अलग-अलग प्रकल्प-पीड़ित, शोषित और बीमार व्यक्तियों की सेवा की जायेगी। समाज में फिटनेस के लिये संदेश देने की जरूरत है। इसके लिये फिटनेस क्लबों की शुरूआत होगी और सुनिश्चित किया जायेगा कि समाज स्वस्थ हो।

संयम और अनुशासन महत्वपूर्ण: मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेल और खिलाड़ी समाज को नई दिशा देते है। संयम और अनुशासन से ही खिलाड़ी सफल होता है। हर खेल को नियम कायदे और उसकी आचरण संहिता के साथ खेलना होता है। खेल का मैदान खिलाड़ी बनने के साथ-साथ देश के अच्छे और सच्चे नागरिक बनने की नर्सरी है। अनुशासित व्यक्ति ही सुखद परिणाम देता है। इसलिए युवाओं के जीवन में संयम और अनुशासन महत्वपूर्ण है।

सफाई मित्रों का अभिनंदन

मंत्री श्री सारंग ने सफाई मित्रों का हाथ जोड़कर अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि सफाई मित्रों की मेहनत और लगन से ही शहर, प्रदेश और देश स्वच्छ है। उन्होंने सफाई मित्रों के साथ ग्रुप फोटो भी खिचवाया। श्री सारंग ने युवा खिलाड़ियों सहित सभी उपस्थित जनों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने और सेवा ही धर्म की शपथ दिलवाई। मंत्री श्री सारंग ने टी.टी. नगर खेल स्टेडियम में ब्लड डोनेशन कैम्प की शुरूआत भी की। इस मौके पर खेल विभाग के अधिकारी, खिलाड़ी और कोच मौजूद थे।

राज्यपाल ने मुख्य सूचना आयुक्त एवं सूचना आयुक्तों को शपथ दिलाई

- विजय यादव ने मुख्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ ली

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों को आज शपथ ग्रहण कराई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन राजभवन के सांदीपनि सभागार में किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने श्री विजय यादव को मुख्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ ग्रहण कराई। उन्होंने डॉ. वंदना गांधी, डॉ. उमाशंकर पचौरी और श्री ओंकार नाथ को राज्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ ग्रहण कराई। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों को पुष्प-गुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। शपथ ग्रहण समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, श्री राजेन्द्र शुक्ल, मंत्री जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, खेल एवं युवा कल्याण और सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव श्री एस.एन. मिश्रा, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता, सचिव सामान्य प्रशासन श्री अनिल कुमार सुचारी एवं गणमान्य आमंत्रित अतिथि उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने शपथ विधि का संचालन किया।

मुख्यमंत्री का पत्रकारों के हित में बड़ा निर्णय

- पत्रकार बीमा योजना में बढ़े हुए प्रीमियम का भार राज्य सरकार उठाएगी : सीएम यादव
- बीमा के लिए ऑनलाइन आवेदन अब 25 सितम्बर तक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्रकारों के हित में 'संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा' योजना में बीमा कंपनी द्वारा बढ़ायी गयी प्रीमियम राशि का भार राज्य सरकार द्वारा वहन करने का निर्णय लिया है। साथ ही बीमा के लिये ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तारीख भी 20 सितम्बर से बढ़ाकर 25 सितम्बर कर दी गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ, पत्रकार साथी दिन-रात एक करके विषम परिस्थितियों में देश और समाज की सेवा करते हैं। विभिन्न पत्रकार संगठनों द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया कि पत्रकार बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम में वृद्धि की गई है। अत- हमने निर्णय लिया है कि पत्रकार बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम की दरों में की गई वृद्धि का भार राज्य सरकार उठाएगी। योजना में शामिल होने वाले पत्रकारों से गत वर्षों की तरह ही प्रीमियम लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों बंधुओं के साथ हर कदम पर खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से चर्चा के दौरान यह बात कही।बीमा योजना की पूरी जानकारी एवं संशोधित प्रीमियम चार्ट जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मोदी और मोहन के मन की कर रहे नरेंद्र

नेतृत्व के गुर सीखेंगे युवा, सिखायेंगें खुद मंत्री

पहली बार के विधायक और मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल की पहल को मिल रही सराहना

अम्बुज माहेश्वरी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशानुरूप जनता के बीच में सक्रिय रहकर उनकी समस्याओं को करीब से सुनने और सिस्टम को समाधान के सख्त निर्देश देते मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को कहीं भी देखा जा सकता है। बात चाहे महानगर में ट्रैफिक जाम की हो, खरीदी केंद्र पर परेशान होते किसानों की हो या फिर सरकारी अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों और उनके परिजनों की ही क्यों न हो यहां जनता के हित में मंत्री की धमक सरकारी तंत्र पर दिखती नजर आती है।

पहली बार के विधायक और मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल एक बार फिर चर्चाओं में हैं। मोदी और मोहन के मन को भाए नरेंद्र ने इस बार अपने उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के युवाओं के लिए 'इंटर्नशिप विथ नरेन्द्र शिवाजी पटेल' योजना शुरू की है। गैर राजनीतिक युवाओं को तैयार कर नेतृत्व के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मंत्री ने इसकी शुरुआत की है। इस पहल की शुरुआत प्रधानमंत्री के जन्मदिन से हुई है। इसे जनता के बीच में सराहना भी मिल रही है।

प्रधानमंत्री की भावना का किया अनुसरण

15 अगस्त को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गैर राजनीतिक युवाओं को तैयार कर नेतृत्व का अवसर प्रदान करने की बात कही थी। प्रधानमंत्री की भावना के अनुरूप मंत्री श्री पटेल ने इंटर्नशिप विथ नरेंद्र पटेल योजना प्रारंभ की है। इंटर्नशिप अवधि में युवाओं के व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता का विकास हो ऐसे विभिन्न कार्य संपादित कराए जाएंगे। युवाओं के व्यक्तित्व में सामाजिक, व्यवहारिक, राजनैतिक आदि स्तर पर नेतृत्व कौशल विकसित हो सके यह योजना के मूल में है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने देश में गरीब-किसान-महिलाएं और युवा को चार बड़ी जातियों में व्यक्त करते हुए उनके कल्याण के विचार साझा किए थे।

युवाओं के माध्यम से अन्य तीन जातियों गरीब-किसान-महिलाओं के हित में कार्य करने उदयपुरा विधानसभा के युवाओं को तैयार करना इस इंटर्नशिप का मूल उद्देश्य है।

3 माह की होगी इंटर्नशिप

इस इंटर्नशिप योजना की अवधि 3 माह की होगी। योजना में ग्राम पंचायत स्तर पर युवाओं का चयन किया जाएगा। चयनित युवा को इंटर्नशिप अवधि पूर्ण करने पर प्रथम माह में 3 हजार, दूसरे माह में 4 हजार एवं तीसरे माह में 5 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। इंटर्नशिप अवधि पूर्ण करने पर दीक्षांत समारोह में प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इंटर्नशिप के लिए आवेदक को उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र का रहवासी होना अनिवार्य है। 1 सितंबर 2024 को युवा की आयु 18 वर्ष से अधिक लेकिन 35 वर्ष से कम होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता में हायर सेकेंडरी होना अनिवार्य है साथ ही सोशल मीडिया में फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर निजी अकाउंट होना चाहिए और ये मंत्री के सोशल मीडिया अकाउंट्स से जुड़ा होना चाहिए। आवेदक किसी भी शासकीय सेवा में नहीं होना चाहिए। योजना की लॉन्चिंग के साथ आवेदन हेतु गूगल फॉर्म की लिंक जारी की गई है।

जबलपुर-टीकमगढ़ में तेज बारिश, नर्मदापुरम में भी पानी गिरा

बालाघाट में बावनथड़ी डैम के दो गेट खोले; अगले दो दिन बारिश का दौर

भोपाल (नप्र)। टीकमगढ़ में मंगलवार दोपहर तेज बारिश हुई। बालाघाट में बावनथड़ी डैम के दो गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। मध्यप्रदेश में लो प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ की वजह से कुछ जिलों में बारिश का दौर बना हुआ है। जबलपुर में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इनकम टैक्स चौराहे के पास एक पेड़ गिर गया। इसके नीचे दबने से दो कारों को नुकसान हुआ है। वहीं, टीकमगढ़ में भी दोपहर 2.30 बजे तेज बारिश हुई। भोपाल में भी बूंदाबंदी हुई।

नर्मदापुरम में भी चार दिन बाद मौसम बदला। यहां दोपहर करीब साढ़े 3 बजे बारिश शुरू हुई। आधे घंटे तक तेज पानी गिरा। बाबई, सोहागपुर में भी रिमझिम बरसात हुई। उधर, बालाघाट में हो रही बारिश से बावनथड़ी बांध का जलस्तर बढ़ गया है। डैम के दो गेट खोलकर 7064 क्यूसेक (200 क्यूमेक) पानी छोड़ा जा रहा है। अगले 24 घंटे भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर, जबलपुर, चंबल समेत 8 संभागों में तेज बारिश का अलर्ट है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग में बूंदाबांदी के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, डीप डिप्रेशन की वजह से बारिश की संभावना बनी है। हालांकि, यह आगे डिप्रेशन में बदल जाएगा। मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इन तीनों सिस्टम की वजह से अगले 2 दिन बारिश का दौर बना रहेगा।

एमपी में अब तक 40.6 इंच बारिश

मानसून की ओवरऑल तस्वीर पर नजर डालें तो अब तक प्रदेश में 40.6 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 8त्न ज्यादा है। भोपाल, ग्वालियर समेत 35 जिलों में बारिश का कोटा फुल हो चुका है। यहां 100 से 195प्रतिशत तक पानी गिर चुका है। श्योपुर सबसे अव्वल है। यहां सामान्य की दोगुनी यानी 195 प्रतिशत तक बारिश हो चुकी है। सबसे ज्यादा पानी मंडला में गिरा है। यहां अब तक 55.6 इंच पानी बरस चुका है। 4 जिले- सीहोर, छतरपुर, शाजापुर और शहडोल ऐसे हैं, जहां 96 से 100 प्रति. तक पानी गिरा है। यह कैटेगिरी सामान्य बारिश के दायरे में आती है। हालांकि, बारिश की एक-दो तेज झड़ी लगते ही इनमें भी 100 प्रतिशत या इससे अधिक बारिश हो जाएगी। अभी रीवा जिला सबसे पीछे है। यहां सामान्य का 61.47 प्रतिशत यानी 24 इंच पानी ही गिरा है।

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, कारीगरी, शिल्पकारी और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों का माना जाता है इष्ट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने निवास स्थित तकनीकी कक्ष में किया भगवान विश्वकर्मा का पूजन-अर्चन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सृष्टि के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा जयंती पर मुख्यमंत्री निवास स्थित तकनीकी कक्ष में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का सर्वोच्च वास्तुकार, यांत्रिकी विज्ञान और स्थापत्य वेद का निर्माता माना जाता है। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, कारीगारी, शिल्पकारी, इंजीनियरिंग आदि क्षेत्रों का इष्ट माना जाता है। वे मशीनरी एवं शिल्प उद्योगों के प्रमुख आराध्य हैं। गर्व का विषय है कि विश्वकर्मा समुदाय ने अपने श्रम और समर्पण से देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन बहुत पावन है। शिल्प शास्त्र के अधिष्ठाता भगवान विश्वकर्मा जी का पूजन दिवस है तो दूसरी तरफ ज्ञान, बुद्धि और समृद्धि के देवता श्रीगणेश एवं श्रीहरि की स्तुति के लिए अनंत चतुर्दशी भी हम मना रहें है। मेरी यही प्रार्थना है कि प्रभु का आशीर्वाद सभी प्रदेशवासियों पर बना रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्म-दिवस भी है, जोस्किल इंडिया जैसे महत्वपूर्ण अभियानों से देश के करोड़ों युवाओं को आत्म-निर्भर बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 13 हजार करोड़ रूपए की प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया था, जिसका उद्देश्य तकनीकी और शिल्पकारी से जुड़े विश्वकर्मा समाज के भाई-बहनों को आर्थिक समृद्धि की ओर ले जाना है। इस योजना से उन्हें अपने हुनर को और निखारने का अवसर मिल रहा है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार विश्वकर्मा योजना के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।

पुल से 25 फीट नीचे नदी में गिरी कार

शीशे तोड़कर बाहर निकले कार सवार, चिल्लाकर मांगी मदद; 1 की मौत, 4 घायल

राजगढ़ (भोपाल) (नप्र)। राजगढ़ के खिलचीपुर में अलसुबह अज्ञात वाहन की टक्कर के बाद एक कार बेकाबू होकर बड़े पुल से 25 फीट नीचे आ गिरी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं 4 लोग घायल हैं। घटना मंगलवार सुबह 4 बजे के करीब हुई। सभी घायल जिला अस्पताल में भर्ती है। सभी कार सवार उत्तर प्रदेश के मनोना धाम से दर्शन कर आगर जिले नलखेड़ा लौट रहे थे। तब ही ये हादसा हो गया। हादसे में बोलेरो कार आधी नदी डूब गई। कार में सवार लोगों ने बताया कि जैसे तैसे उन्होंने अपने हाथों से कार के शीशे तोड़ा और इनमें से 4 लोग बाहर निकले और मदद के लिए चिल्लाने लगे। तब ही करीब आधे घंटे बाद वहां से निकल रहे कुछ लोगों ने

उनकी आवाज सुनी और उनकी मदद करने पहुंचे। इसके बाद कार के फंसे महेश पाठक को निकाला गया। घटना के बाद सभी घायलों को लोग खिलचीपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने महेश पाठक को मृत घोषित कर दिया, बाकी घायलों का इलाज शुरू किया गया। घायलों में घनश्याम बैरागी (40), संजय कुम्भकार(28), राहुल गोस्वामी(25) और कार चालक रवि गोस्वामी (25) शामिल है।

मनोना धाम में दर्शन कर लौट रहे थे

दरअसल आगर जिले के नलखेड़ा में रहने वाले महेश पाठक (70) को पिछले 2 महीने से कैंसर से पीड़ित थे। उन्हें परिचित धनश्याम बैरागी, राहुल गोस्वामी, संजय कुम्भकार, रवि गोस्वामी एक दिन पहले रविवार रात 10 बजे नलखेड़ा से कार से उत्तर प्रदेश के मनोना धाम में दर्शन करवाने के लिए लेकर गए थे।